मंगलवार, 28 अप्रैल 2026

मौसम

तापमान	28 – 36
आर्द्रता	75%
सूर्योदय: 05:06	सूर्यास्त: 18:01

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाग्या

कोलकाता, वैशाख शुक्लपक्ष द्वादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार, और पांच पर

दूसरे चरण के मतदान से पहले संदेशखाली में मतदान अधिकारी ईवीएम और मतदान सामग्री एकत्र करते हुए।

सुविचार : परिस्थितियां समस्या तब बन जाती हैं जब हमें उनसे निपटना नहीं आता।

बंगाल में दूसरे चरण का प्रचार थमा

कल 142 सीटों पर मतदान

- 41,001 मतदान केंद्रों पर होगी मतदान प्रक्रिया, वेबकास्टिंग और ड्रोन निगरानी
- 2,321 कंपनियां केंद्रीय बल तैनात, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

दूसरे चरण के मतदान से पहले सीआरपीएफ का दमदार फ्लैग मार्च

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए सोमवार शाम प्रचार थम गया। अब 29 अप्रैल को राज्य की 142 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा, जिसमें 3.21 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दूसरे चरण के साथ ही राज्य में सत्ता की तस्वीर तय हो जाएगी।चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने एक-दूसरे पर तीखे हमले किए। भाजपा ने घुसपैठ, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और बेरोजगारी को मुद्दा बनाया, जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने और बंगाल की सामाजिक संस्कृति में दखल देने का आरोप लगाया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और अन्य भाजपा नेताओं ने कई रैलियां कर तृणमूल सरकार को घेरा। मोदी ने कहा कि बंगाल भय और हिंसा से मुक्ति चाहता है तथा भाजपा राज्य में विकास और रोजगार का नया दौर लाएगी। उन्होंने मतुआ समुदाय को नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत अधिकार दिलाने का भी भरोसा दिया।दूसरी ओर ममता बनर्जी ने दावा किया कि पहले चरण के मतदान के बाद ही तृणमूल 100 सीटों का आंकड़ा पार कर चुकी है और पार्टी दो-तिहाई बहुमत के साथ फिर सत्ता में लौटेगी। उन्होंने अमित शाह की कथित टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। सात जिलों में केंद्रीय बलों की 2,321 कंपनियां तैनात की गई हैं। 41,001 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग और ड्रोन निगरानी की व्यवस्था रहेगी।इस चरण में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट सबसे चर्चित है, जहां भाजपा के शुभेंदु अधिकारी उन्हें चुनौती दे रहे हैं। कोलकाता पोर्ट, बैरकपुर, बनगांव, दमदम, संदेश-खाली, रासबिहारी और यादवपुर जैसी सीटों पर भी मुकाबला बेहद दिलचस्प माना जा रहा है।

बंगाल का माहौल भाजपा की जीत का संकेत दे रहा, शपथ ग्रहण समारोह में फिर आऊंगा : मोदी

पूर्वी भारत के विकास में बंगाल को बताया अहम स्तंभ

ओडिशा और बिहार के बाद बंगाल में भी खिलेगा कमल

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बनाएगी और चार मई को परिणाम घोषित होने के बाद वह शपथ ग्रहण समारोह के लिए फिर आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के तहत प्रचार के आखिरी दिन उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उस पर 'सिंडिकेट राज' चलाने, राजनीतिक हिंसा करने और राज्य में आर्थिक पिछड़ेपन का आरोप लगाया। मोदी ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में मैं जहां कहीं भी गया, मैंने जो माहौल महसूस किया है, उससे मैं कह सकता हूं कि चार मई के बाद भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुझे फिर से आना होगा।'' इस पर भीड़ ने जोरदार तालियां बजाईं। बैरकपुर के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस भूमि ने 1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अब यह पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन का आधार तैयार कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के समग्र विकास के लिए पश्चिम बंगाल की प्रगति आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि पूर्वी क्षेत्र का उदय देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अतीत में, जब भारत समृद्ध था, तब उसके तीन मजबूत स्तंभ थे – अंग, बंग और कलिंग – जो आज के बिहार, बंगाल और ओडिशा हैं। जब ये तीनों स्तंभ कमजोर हुए, तो इससे भारत की शक्ति को गहरा आघात पहुंचा। पूर्वी भारत के उदय के बिना राष्ट्र का उत्थान अधूरा है। पड़ोसी राज्यों में भाजपा की जीत का उदाहरण देते हुए मोदी ने कहा, ''ओडिशा और बिहार के बाद इस बार पश्चिम बंगाल में भी कमल खिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल की सेवा करना, उसे सुरक्षित रखना और उसे बचाना मेरी नियति और कर्तव्य है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ताधारी दल पर शासन करने के बजाय गाली-गलौज और धमकियों का सहारा लेने का आरोप लगाया।

बंगाल में मां, माटी व मानुष की लहर : ममता

- चुनाव प्रचार के अंतिम दिन ममता ने कोलकाता में नौं किलोमीटर लंबी पदयात्रा की

कोलकाता : बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के मतदान से पहले मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को अपनी पार्टी की जीत को लेकर पूर्ण भरोसा जताया है। सोमवार ने एक्स पर साझा किए गए संदेश में कहा कि मां, माटी, मानुष की जीत अब दूर नहीं, बल्कि केवल समय की बात है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में मां, माटी, मानुष की लहर चल रही है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन ममता ने कोलकाता में नौ किलोमीटर लंबी पदयात्रा (रोड शो) भी कीं, जिसमें लोगों की भारी भीड़ देखी गई। ममता के नेतृत्व में जादवपुर से शुरू हुई यह पदयात्रा भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के आवास से कुछ दूरी पर स्थित गोपालनगर में संपन्न हुई। भवानीपुर से ममता चुनावी मैदान में हैं और यह उनका गृह व परंपरागत विधानसभा क्षेत्र है।

ममता ने हाल की पदयात्राओं और जनसभाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें लोगों का जबरदस्त समर्थन और भावनात्मक जुड़ाव देखने को मिला है। उन्होंने लिखा कि यह विश्वास और संबंध वर्षों से जनता के साथ हर परिस्थिति में खड़े रहने का परिणाम है।

बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव के दौरान समूह में बाइक यात्रा पर रोक

कोलकाता : कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए समूह में बाइक यात्रा करने पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया। न्यायमूर्ति शंपा सरकार की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एकल पीठ के 20 अप्रैल के आदेश में संशोधन करते हुए इसमें समूह में बाइक यात्रा करने पर रोक को शामिल कर दिया। खंडपीठ ने निर्देश दिया कि मतदान से दो दिन पहले और 29 अप्रैल को मतदान के दिन किसी भी तरह की मोटरसाइकिल रैली या समूह में बाइक चलाना प्रतिबंधित रहेगा। उसने स्पष्ट किया कि एकल पीठ के आदेश का बाकी हिस्सा अपरिवर्तित रहेगा। एकल पीठ ने आदेश दिया था कि मतदान के दिन से 12 घंटे पहले चिकित्सा आपात स्थिति/पारिवारिक समारोह या स्कूल के बच्चों को छोड़ने/लेने जैसे अन्य आवश्यक कार्यों को छोड़कर, मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर सवारी करने की अनुमति नहीं होगी। एकल पीठ ने यह भी कहा था कि मतदान के उद्देश्य से और चिकित्सा आपातकाल या पारिवारिक समारोह आदि जैसे अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक मोटरसाइकिल पर परिवार के सदस्यों को पीछे बैठाकर यात्रा करने की अनुमति होगी।

कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण का निर्माण जरुरी

दुनियाभर में 28 अप्रैल का दिन कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा यह दिन व्यावसायिक दुर्घटनाओं और बीमारियों की रोकथाम को बढ़ावा देने और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। कार्यस्थल सुरक्षा से तात्पर्य अनुकूल माहौल को बढ़ावा देते हुए दुर्घटनाओं, चोटों और बीमारियों को रोकने के लिए व्यापक विचार शामिल हैं। रोजगार में स्वतंत्रता, निष्पक्षता, सुरक्षा और मानवीय शालीनता को बढ़ावा देकर, कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व दिवस का उद्देश्य कार्य सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। देश और दुनिया में सरकारी या निजी क्षेत्र में नौकरी करने वाले लोगों का ज्यादातर समय अपने कार्यालय में गुजरता है, ऐसे में कार्यस्थल में उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसी मकसद के साथ हर साल कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व दिवस मनाया जाता है। कार्यस्थल पर स्वस्थ मानकों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी, काम से संबंधित चोट इत्यादि से बचा जा सके। एक सर्वेक्षण के अनुसार, ऐसा अनुमान लगाया गया है कि हर रोज़ दुनिया भर में व्यावसायिक दुर्घटनाओं और कार्यस्थल के कारण होने वाली बीमारियों के कारण लगभग साढ़े छह हजार लोग अकाल मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। आंकड़ों की बात करें तो प्रतिवर्ष 23 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इनमें से बहुत तो ऐसी होती हैं, जिनके कारण कामगारों को लंबे समय के लिए काम से हाथ धोना पड़ता है और उनकी सामने अपने जीवन यापन के लिए गहरा संकट उत्पन्न हो जाता है। अतः इस विषय के बारे में जनसाधारण के बीच जागरूकता बढ़ाना अति आवश्यक है और यहीं इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य है।

एक रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा एवम स्वास्थ की देखभाल की जिम्मेदारी कारखानें, अस्पताल, सरकार की होती है यह उनका दायित्व है। क्योंकि कर्मी स्वस्थ होगे तो ही फैक्ट्री या संस्थान की प्रगति होगी। निमार्ण कार्यस्थल पर कर्मियों को हैलमेट उपलब्ध कराना कंपनी की जिम्मेदारी है। जूट के कारखने, कोयला, अभ्रक आदि खादानों में कार्य कर रहे कर्मी कई प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो जाते है। विश्व भर में हर वर्ष 31 करोड़ से अधिक कर्मी कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों से प्रभावित होते हैं और हर रोज हजारों लोग मौत का ग्रास बन जाते है।

निश्चय ही कार्यस्थल पर स्वास्थ्य मानकों को बनाए रखना हम सब के लिए जरुरी है। मगर बहुत बार ऐसा देखा गया है इन मानकों की पालना नहीं की जाती जिससे संभावित दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है और कई बार श्रमिक काम करते हुए घायल अथवा मृत्यु का शिकार हो जाते है। श्रमिक अपनी जान जोखिम में डालकर काम करते हैं, लेकिन उनकी सेहत का ख्याल तक नहीं रहता। श्रमिकों को निर्माण सहित अन्य कार्यों में लगाने के लिए हेलमेट और बॉडी प्रोटेक्टर सहित सुरक्षा के अन्य उपाय भी करने आवश्यक है, लेकिन इसका पालन नहीं होता है। विशेषकर सीवर लाइन के निर्माण और सफाई के दौरान सुरक्षा मानकों की पालना नहीं होने से दुर्घटनाओं की ख़बरें आये दिन पढ़ने को मिल जाती है। ऐसा देखा जाता है सीवर लाइन का काम कर रहे श्रमिकों के पास हेलमेट बॉडी प्रोटेक्टर आदि उपकरण नहीं होते है। सुरक्षा मानकों की पालना नहीं करने पर हाथ से नालों की सफाई करते हुए सैकड़ों लोगों ने जान गंवाई है। मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट 2013 के तहत सीवर में सफाई के लिए किसी भी व्यक्ति को उतारना पूरी तरह गैर-कानूनी है। एक्ट में इस पर रोक का प्रावधान है। किसी खास स्थिति में अगर व्यक्ति को सीवर में उतारना ही पड़ जाए तो उसके लिए कई तरह के नियमों का पालन जरूरी है। मसलन, जो व्यक्ति सीवर की सफाई के लिए उतर रहा है, उसे ऑक्सिजन सिलेंडर, स्पेशल सूट, मास्क, सेफ्टी उपकरण इत्यादि देना जरूरी है। अमूमन इन नियमों की अनदेखी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने मैला ढोने और बिना किसी यंत्र के सीवेज चैंबर की सफाई के मामले में तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि दुनिया में ऐसा कोई दूसरा देश नहीं है जो लोगों को मरने के लिए गैस चैंबर में भेजता हो।

भारत का संविधान नागरिकों के अधिकारों के लिए विस्तृत प्रावधान प्रदान करता है। सरकार कार्यस्थलों पर सुरक्षा और स्वास्थ्य जोखिमों के प्रबंधन के लिए सभी आर्थिक गतिविधियों को विनियमित करने और प्रत्येक कामकाजी पुरुष और महिला के लिए सुरक्षित और स्वस्थ काम करने की स्थिति सुनिश्चित करने के उपाय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार मानती है कि श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का उत्पादकता और आर्थिक और सामाजिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रोकथाम आर्थिक गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है क्योंकि काम पर उच्च सुरक्षा और स्वास्थ्य मानक उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि नए और मौजूदा उद्योगों के लिए अच्छा व्यावसायिक प्रदर्शन।

-बाल मुकुंद ओझा

विदर्भ नंदिनी से द्वारका साम्राज्ञी तक जगज्जननी रुक्मिणी

अशोक प्रवृद्ध

भारतीय वांग्मय के विशाल फलक पर वैदर्भी रुक्मिणी का चरित्र केवल एक पौराणिक आख्यान नहीं, अपितु भक्ति, शक्ति और अनन्य समर्पण का वह शाश्वत प्रतिमान है, जो त्रेता की सीता और द्वापर की श्री के मध्य एक सेतु का निर्माण करता है। वैशाख शुक्ल द्वादशी का पावन तिथि उसी महालक्ष्मी के प्राकट्य का उत्सव है, जिसने द्वापर के युगपुरुष श्रीकृष्ण के जीवन में श्री अर्थात समृद्धि और शोभा का आधिकारिक संचार किया। महाभारत के आदि पर्व 67/656 के अनुसार माता लक्ष्मी ने अपने अंश से भीष्मक के कुल में रुक्मिणी के रूप में अवतार लिया था। जहां श्रीमद्भागवत पुराण उनके वैयक्तिक प्रेम और श्रीकृष्ण को पत्र प्रेषण (रुक्मिणी सन्देश) के माध्यम से उनकी आत्मीयता को उजागर करता है, वहीं हरिवंश पुराण 89- 90 उनके हरण प्रसंग को राजनीतिक और सामरिक दृष्टिकोण से विश्लेषित करता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में उन्हें श्रीकृष्ण की पटरानी (प्रमुख रानी) के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है, जो उनके अष्ट महिषियों में सर्वोपरि थीं। यद्यपि पुराणों में श्रीकृष्ण की 16,108 पत्नियों का वर्णन है, किन्तु इस संबंध में प्राप्य प्राचीन ग्रंथों के सम्यक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि रुक्मिणी उनकी एकमात्र विवाहिता भार्या मानी जाती हैं, जिनके साथ उनका पाणिग्रहण संस्कार पूर्णतः वैदिक रीति और पूर्व अनुराग के आधार पर हुआ था। अन्य विवाह या तो दानवों के कारागार से मुक्त कराई गई कन्याओं को सामाजिक सम्मान देने हेतु थे, अथवा विशिष्ट राजनीतिक संधियों के परिणाम। रुक्मिणी का चयन धर्म और वीरता के प्रति एक सचेत चुनाव था, जो शिशुपाल के रूप में अधर्म को नकारने का साहसिक उपक्रम था। वैशाख शुक्ल द्वादशी को मनाया जाने वाला रुक्मिणी द्वादशी व्रत मात्र एक कर्मकांड नहीं, बल्कि उस कृष्णात्मिका शक्ति की आराधना है, जो श्रीकृष्ण के हृदय में वास करती है। पौराणिक मान्यतानुसार रुक्मिणी ने 12 वर्षों तक भगवान दुर्वासा के शापवश वियोग सहा और गंगा तीर पर कठिन तपस्या की, जो उनके धैर्य और तपश्चर्या की पराकाष्ठा है। यह तिथि हमें यह बोध कराती है कि जहां राधा भाव की पराकाष्ठा हैं, वहीं रुक्मिणी धर्म और कर्तव्य की अधिष्ठात्री हैं। रुक्मिणी भारतीय नारीत्व की वह प्रखर चेतना हैं, जिन्होंने स्वयं अपना वर चुना और पत्र लिखकर अपनी अस्मिता की रक्षा हेतु भगवान को आमंत्रित किया। उनका तुलाभार प्रसंग, जहां एक तुलसी पत्र से उन्होंने श्रीकृष्ण को तौल दिया, यह सिद्ध करता है कि अहंकार और वैभव से परे, केवल निष्काम प्रेम ही उस परब्रह्म को प्राप्त करने का एकमात्र मार्ग है। रुक्मिणी द्वादशी का यह पर्व हमें उसी समर्पण की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। रुक्मिणी के बिना कृष्ण अपूर्ण हैं, क्योंकि वही उनकी शक्ति का प्रत्यक्ष स्वरूप हैं। भारतीय इतिहास में रुक्मिणी हरण मात्र एक प्रणय कथा नहीं, अपितु एक लक्षित प्रहार अर्थात सर्जिकल स्ट्राइक का आदि प्रारूप है। यह उस समय की चेदि- मगध- विदर्भ धुरी के विरुद्ध द्वारका- मथुरा के रणनीतिकार श्रीकृष्ण का एक ऐसा प्रहार था, जिसने तात्कालिक भारत की साम्राज्यवादी शक्तियों को हिलाकर रख दिया। जरासन्ध और शिशुपाल के नेतृत्व में असुर शक्तियों ने आर्यावर्त में एक अभेद्य रक्षा कवच बना लिया था। विदर्भ नरेश भीष्मक का पुत्र रुक्मी उस सैन्य गठबंधन का प्रमुख हिस्सा था। रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से होना द्वारका के लिए एक भू राजनीतिक संकट था। यदि यह विवाह संपन्न हो जाता, तो द्वारका चारों ओर से शत्रु राज्यों से घिर जाती। श्रीमद्भागवत पुराण और हरिवंश पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण ने किसी विशाल सेना के साथ नहीं, बल्कि केवल एक रथ और दारुक (सारथी) के साथ कुण्डिनपुर में प्रवेश किया। यह मनोवैज्ञानिक युद्ध का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब शत्रुपक्ष यह समझ रहा था कि कृष्ण केवल अतिथि बनकर आए हैं, उन्होंने ऐन मंदिर के द्वार से रुक्मिणी को रथ पर बिठाया। जब रुक्मी ने अपनी चतुरंगिणी सेना के साथ श्रीकृष्ण का पीछा किया, तब श्रीकृष्ण ने उसे युद्ध में न केवल पराजित किया, बल्कि उसका मुंडन कर उसे जीवित छोड़ दिया। यह शारीरिक वध से बड़ा वैचारिक वध था। एक क्षत्रिय के लिए मुंडन मृत्यु से भी भयावह दंड था। अधर्म का समूल नाश करने से पूर्व उसका तेज हरण करना आवश्यक है। शिशुपाल, जो स्वयं को महान

योद्धा मानता था, अपनी विशाल सेना के बावजूद रुक्मिणी को स्पर्श तक न कर सका। यह सिद्ध करता है कि संख्या बल कभी सत्य बल के विरुद्ध विजयी नहीं हो सकता। महाभारत के सभा पर्व में शिशुपाल के वध की नींव वास्तव में रुक्मिणी हरण के दिन ही पड़ गई थी, जहां उसके अहंकार का प्रथम मर्दन हुआ। यह युद्ध केवल एक कन्या को प्राप्त करने के लिए नहीं था, अपितु शक्ति संतुलन को अधर्म से धर्म की ओर मोड़ने का उपक्रम था। रुक्मिणी का द्वारका आगमन लक्ष्मी का नारायण से मिलन था, जिसने द्वारका को वह वैभव और सामर्थ्य प्रदान किया कि वह आगे चलकर कुरुक्षेत्र के युद्ध में निर्णायक भूमिका निभा सके। श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीला के पीछे एक गहरा राजनीतिक और सामरिक दर्शन छिपा है, जहां प्रेम और युद्ध एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं।कुण्डिनपुर के सामरिक संघर्ष के पश्चात जब भगवान श्रीकृष्ण द्वारका के द्वार पर उपस्थित हुए, तो वह केवल एक विवाह उत्सव नहीं, अपितु लक्ष्मीनारायण के सामंजस्य से एक नवीन राष्ट्र संस्कृति का उदय था। वैशाख शुक्ल द्वादशी के उस पावन कालखण्ड में द्वारका ने वह दिव्यता प्राप्त की, जो उसे मोक्षदायिका पुरी की श्रेणी में सर्वोपरि सिद्ध करती है। विष्णु पुराण एवं हरिवंश के अनुसार रुक्मिणी के स्वागत हेतु विश्वकर्मा ने द्वारका को नववधू की भांति सुसज्जित किया था। द्वारका के द्वारों पर स्वर्ण कलश और तोरण मात्र सजावट नहीं थे, बल्कि वे विजय और वैभव के प्रतीक थे। प्रजा ने गरियाने वाले चेदि नरेश के पराभव के उपरान्त अपने आराध्य का वंदन व चंदन से स्वागत किया, जो जनमानस के सामूहिक संतोष का परिचायक था। श्रीकृष्ण की अष्ट महिषियों में रुक्मिणी का पटरानी के रूप में अभिषेक एक महत्वपूर्ण घटना है। प्राचीन राजधर्म के अनुसार पटरानी वही होती थी, जो राजा के साथ धर्म कार्यों में अर्द्धांगिनी बने। रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण के राजनैतिक और आध्यात्मिक जीवन में पूर्ण सामंजस्य बिठाया। वे महालक्ष्मी का साक्षात विग्रह थीं। उनका अभिषेक द्वारका की अर्थव्यवस्था और समृद्धि के पुनर्जागरण का अनुष्ठान था। वैशाख शुक्ल द्वादशी को जब रुक्मिणी का गृहप्रवेश हुआ, तब उन्होंने अपने प्रथम दान में निर्धनों को अन्न और स्वर्ण वितरित किया। यह भारतीय परंपरा के लोक कल्याण का उत्कृष्ट उदाहरण है। वैदर्भी का यह त्याग ही था, जिसने उन्हें श्रीकृष्ण के हृदय के सिंहासन पर स्थायी रूप से प्रतिष्ठित किया। द्वारका में रुक्मिणी का जीवन सादगी और सेवा का प्रतिमान रहा। दुर्वासा ऋषि के रथ को स्वयं खींचने का प्रसंग हो अथवा सत्यभामा के तुलाभार में एक तुलसी दल से श्रीकृष्ण को जीतना- ये घटनाएं सिद्ध करती हैं कि रुक्मिणी समर्पण की पराकाष्ठा हैं। द्वारका का स्वर्ण वास्तव में रुक्मिणी के चरित्र की आभा थी। जिस घर में रुक्मिणी जैसी त्यागवती और सुसंस्कृत नारी का सम्मान होता है, वह गृह स्वयं द्वारका बन जाता है। इस प्रकार रुक्मिणी द्वादशी का यह पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम जब धर्म के साथ मिलता है, तभी वह समाज को चन्दन जैसी शीतलता प्रदान कर सकता है।

भारतीय मनीषा में रुक्मिणी का श्रीकृष्ण को प्रेषित पत्र केवल एक विरहिणी का निवेदन नहीं, अपितु जीवात्मा का परमात्मा से मिलन का पत्र है। रुक्मिणी की अनन्यता को सिद्ध करने वाली श्रीमद्भागवत पुराण 10/ 52 के प्रसिद्ध रुक्मिणी संदेश के सात श्लोक सप्तऋषियों की भांति ज्ञान के आलोक स्तंभ हैं। प्रथम श्लोक -श्रुत्वा गुणान्भुवनसुन्दर शृण्वतां ते... के अनुसार रुक्मिणी का प्रेम रूप पर नहीं, गुणों पर आधारित है। यह भारतीय परंपरा का श्रवण संस्कार है। उन्होंने बिना देखे केवल सुनकर अपना सर्वस्व समर्पित किया, जो यह सिद्ध करता है कि ज्ञान जब परिपक्व होता है, तभी वास्तविक अनुराग जन्म लेता है। दूसरे श्लोक- का त्वा मुकुन्द महती कुलशीलरूप... में रुक्मिणी प्रश्न करती हैं कि इस त्रिलोक में ऐसी कौन सी कुलीन कन्या होगी जो आप जैसे पुरुषोत्तम को अपना पति न चुनना चाहेगी? यहां वे कुल और शील की रूढ़ियों को तोड़कर योग्यता को प्रधानता देती हैं। यह नारी की वैचारिक स्वतंत्रता का प्राचीनतम साक्ष्य है। महाभारत के प्रसंगों और पौराणिक आख्यानों में रुक्मिणी तुलाभार का विशेष महत्त्व है। जब सत्यभामा अपने समस्त स्वर्ण से श्रीकृष्ण को नहीं तौल सकीं, तब रुक्मिणी ने मात्र एक तुलसी दल से उन्हें तौल दिया। यह सिद्ध करता है कि स्वर्ण (वैभव) से ईश्वर नहीं मापा जा सकता। श्रद्धा (भाव) ही वह एकमात्र भार है जो अजेय को भी बांध लेता है। वैशाख शुक्ल द्वादशी (रुक्मिणी द्वादशी) का चयन आकस्मिक नहीं है। द्वादश अंक पूर्णता का प्रतीक है -12 राशियां, 12 मास, 12 आदित्य। रुक्मिणी का प्राकट्य सृष्टि में लक्ष्मीत्व की पूर्णता की घोषणा है। जहां एकादशी व्रत से इन्द्रियों का निग्रह होता है, वहीं द्वादशी उस निग्रह के पश्चात मिलने वाले आनंद (श्रीकृष्ण) की प्राप्ति का उत्सव है। यद्यपि रास पंचाध्यायी में राधा भाव स्वरूपा हैं, किन्तु वैदिक विवाह और गृहस्थ धर्म के अधिष्ठान पर रुक्मिणी ही श्रीकृष्ण की एकमात्र शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित हैं। रुक्मिणी ही एकमात्र श्री हैं। महाभारत के मौसल पर्व में रुक्मिणी का सती होना, उनके अटूट पातिव्रत्य और एकत्व का प्रमाण है। रुक्मिणी का चरित्र सिखाता है कि गरियाने वाले शिशुपाल जैसे आसुरी तत्व चाहे जितने प्रबल हों, यदि संकल्प में चंदन जैसी शीतलता और बंदन जैसी पवित्रता हो, तो स्वयं साक्षात नारायण को रथ लेकर आना ही पड़ता है।

-लेखक, आध्यात्मिक चिंतक व साहित्यकार

कानून हैं, योजनाएं हैं, फिर भी सीवर में मौतें - आखिर जिम्मेदार कौन?

प्रो. आरके जैन

शहरों की चमक जब स्वच्छता के दावों से आत्ममुग्ध होकर दमकती है, उसी क्षण उसी चमक के भीतर छिपा अंधकार चुपचाप इंसानी जिंदगियों को निगलता चला जाता है। मार्च 2026 की शुरुआत में स्वच्छता के शिखर पर खड़े इंदौर में, चोइथराम मंडी गेट के पास एक सीवर चैंबर दो जिंदगियों का अंत बन गया-करण यादव और अजय डोडी जहरीली गैसों के कारण दम घुटने से काल के गाल में समा गए। बिना किसी सुरक्षा उपकरण के वे उस घातक गहराई में उतरे; एक के अचेत होते ही दूसरा उसे बचाने भीतर गया, पर दोनों ही वापस नहीं लौट सके। यह घटना महज एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा नहीं, बल्कि उस विफल व्यवस्था की कठोर सच्चाई है, जो अपने सबसे कमजोर कर्मियों को सुरक्षित रखने में बार-बार असफल साबित हो रही है।

पीड़ा की यह आग अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि कुछ ही सप्ताह बाद 15 अप्रैल 2026 को हरियाणा के नूह जिले के फिरोजपुर झिरका में वही भयावह दृश्य फिर दोहराया गया। पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग के ठेकेदार ने तीन मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतार दिया, जहां जहरीली गैसों ने दो जीवन-राजेंद्र कुमार और अब्दुल कलाम-को निगल लिया, जबकि तीसरा मजदूर गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचा। इस तरह की लगातार होती घटनाएं यह साफ संकेत देती हैं कि यह कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक और स्थापित होती जा रही व्यवस्था बन चुकी है। देश के अलग-अलग कोनों में फैलती यह मौतें बार-बार यह कठोर सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर कब तक गरीब मजदूर अपनी जान की कीमत पर हमारी स्वच्छता की जिम्मेदारी ढोते रहेंगे।

संवैधानिक अधिकारों और मानव गरिमा की रक्षा के दावों के बीच भी इन घटनाओं की अनदेखी संभव नहीं रह सकी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इंदौर मामले पर 5 मार्च 2026 और नूह मामले पर 24 अप्रैल 2026 को स्वतः संज्ञान लेते हुए अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का हवाला देकर स्पष्ट किया कि बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर में उतरना मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। रिपोर्ट में सुरक्षा उपकरणों की कमी, ठेकेदारी व्यवस्था की खामियां और मुआवजे की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। यह हस्तक्षेप दिखाता है कि यह समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और प्रशासनिक विफलता का परिणाम भी है।

सांख्यिकीय सच्चाइयों की परतें जैसे-जैसे खुलती हैं, यह संकट और अधिक भयावह रूप लेता है। सफाई कर्मचारी आंदोलन के अनुसार 2014 से 2025 के बीच 859 सफाई कर्मियों की जान सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई में गई। 2017 से मार्च 2026 तक 622 मौतें दर्ज हुईं, जबकि 2026 के पहले चार महीनों में ही 50 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। सरकारी आंकड़े अक्सर कम बताते हैं, जबकि वास्तविकता कहीं अधिक कठोर है। हर साल औसतन 80 से 130 सफाई कर्मी हाइड्रोजन सल्फाइड और मीथेन जैसी जहरीली गैसों से दम घुटने के कारण जान गंवा रहे हैं। ये आंकड़े केवल संख्या

- **सफाई कर्मी नहीं, यह व्यवस्था की सबसे अनदेखी लड़ाई के सिपाही हैं**
- **स्वच्छ भारत अभियान का दूसरा चेहरा: सीवर में छिपी असुरक्षित सच्चाई**

नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटी हुई कहानियां हैं जिन्होंने अपने अपनों को हमेशा के लिए खो दिया है।

कानूनों और न्यायिक आदेशों की मौजूदगी के बावजूद जमीन पर बदलाव न दिखना इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना है। 2013 का मैनुअल स्कैवेंजिंग निषेध और पुनर्वास अधिनियम इस अमानवीय प्रथा पर रोक लगाता है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने मैकेनाइज्ड सफाई अनिवार्य करते हुए मृतक परिवारों को 30 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। फिर भी इंदौर और नूह मामलों में मुआवजे की घोषणा के बावजूद सवाल बना रहता है कि क्या केवल आर्थिक सहायता पर्याप्त है? ठेकेदारों की लापरवाही, सुरक्षा उपकरणों की कमी और कमजोर निगरानी व्यवस्था इन कानूनों को कागजों तक सीमित कर देती है।

घोषित नीतियों और धरातल की सच्चाई के बीच की दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। स्वच्छ भारत मिशन-2 और 'नामास्ते' जैसी योजनाओं में मैकेनाइज्ड सफाई तथा सफाई कर्मियों के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए हजारों करोड़ रुपये भी आवंटित किए गए हैं। इसके बावजूद इंदौर जैसे शहरों में आधुनिक मशीनें होते हुए भी उनका नियमित उपयोग नहीं किया जाता, जबकि नूह जैसे क्षेत्रों में ठेकेदार जिम्मेदारी से बच निकलते हैं। सस्ती मजदूरी के लालच में मानव जीवन को जोखिम में डाल दिया जाता है और इस पूरे तंत्र का सबसे भारी बोझ दलित समुदाय पर पड़ता है, जो आज भी सामाजिक भेदभाव और उपेक्षा झेल रहा है। इस संकट के समाधान की मांग अब केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुकी है। अब समय है कि केवल घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस और कठोर कदम उठाए जाएं। हर शहर में 100% मैकेनाइज्ड सफाई अनिवार्य हो, ताकि कोई मजदूर जान जोखिम में डालकर सीवर में न उतरे। ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई-भारी जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग और कानूनी दंड-तुरंत लागू किया जाए। प्रत्येक मृत्यु पर 30 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही सफाई कर्मियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमा और प्रशिक्षण अनिवार्य हों, ताकि उनकी सुरक्षा और सम्मान वास्तविक रूप से सुनिश्चित हो सके।

यह स्थिति हमारी सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी पर सीधा प्रश्न उठाती है कि जब हर महीने सफाई कर्मी जान गंवा रहे हैं, तो स्वच्छता अभियान वास्तव में किसके लिए है। इंदौर जैसे स्वच्छता के प्रतीक शहर और नूह जैसे क्षेत्र भी इस त्रासदी से अछूते नहीं हैं, तो छोटे शहरों और गांवों की स्थिति सहज ही समझी जा सकती है। यदि इन अज्ञात नायकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी, तो हमारी उपलब्धियां खोखली साबित होंगी। अब समय है कि नारों से आगे बढ़कर वास्तविक कदम उठाए जाएं, अन्यथा हर मौत हमें याद दिलाती रहेगी कि स्वच्छता की कीमत किसी और की जिंदगी है।

-शिक्षाविद्

देश - विदेश

एलईटी का प्रमुख सदस्य और हाफिज सईद का करीबी अफरीदी मारा गया

लाहौर : प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक प्रमुख सदस्य और मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी सहयोगी शेख यूसुफ अफरीदी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों की गोलीबारी में मारा गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना राजधानी इस्लामाबाद से करीब 250 किलोमीटर दूर खैबर क्षेत्र के लांडी कोटल में हुई। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने अफरीदी पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी संगठन ने नहीं ली है।

ईरान के विदेश मंत्री ने रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात की; पुतिन ने कहा: रूस हर संभव मदद को तैयार

मॉस्को : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की, जिन्होंने अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी और वीरता से लड़ने को लेकर ईरानियों की सराहना की। पुतिन ने यह भी कहा कि मॉस्को पश्चिम एशिया में जल्द से जल्द शांति लाने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 28 अप्रैल, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, वैशाख शुक्लपक्ष द्वादशी, 18:55 तक, नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 22:34 तक, योग : व्याघात, 21:02 तक, सूर्योदय: 05:08, सूर्यास्त: 18:01, चन्द्रोदय : 15:51, चन्द्रास्त: 03:27, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 15:23 से 16:59

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए संतुलित और सकारात्मक संकेत लेकर आया है। आप रिश्तों को सुधारने में पहल करेंगे। जो लोग आपसे नाराज थे, उन्हें मनाने की कोशिश सफल हो सकती है।

वृष : आज का दिन थोड़ा सतर्कता मांगता है। अनावश्यक जोखिम लेने से बचें, खासकर वाहन से जुड़ी लापरवाही भारी पड़ सकती है। दूर रह रहे किसी प्रियजन की याद आपको भावुक कर सकती है।

मिथुन : आज आपको कुछ खास और प्रभावशाली लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा, जो भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकता है। संतान किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकती है।

कर्क : आज का दिन मिला-जुला रहेगा, लेकिन समझदारी से काम लेने पर आप हर परिस्थिति को संभाल लेंगे। अपनी क्षमताओं को पहचानें और उसी अनुसार काम करें।

सिंह : आज आपको अपनी आर्थिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। खर्चों पर नियंत्रण रखें, नहीं तो कर्ज बढ़ सकता है। हालांकि सेहत में पहले से सुधार महसूस होगा।

कन्या : आज आपकी नेतृत्व क्षमता खुलकर सामने आएगी और साथियों का पूरा सहयोग मिलेगा। काम के प्रति संतुष्टि महसूस करेंगे। माता-पिता की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतें।

तुला : आज आपको छोटे-छोटे लाभ के अवसरों पर ध्यान देना होगा। दिखावे से दूर रहकर सादगी अपनाना ही समझदारी है। बातचीत में संयम रखें। किसी की बात दिल को लग सकती है।

वृश्चिक : आज का दिन नई शुरुआत और बड़े फैसलों का संकेत दे रहा है। प्रॉपर्टी खरीदने या नया वाहन लेने का सपना पूरा हो सकता है। एक साथ कई काम आने से थोड़ी उलझन रहेगी।

धनु : आज का दिन आपके लिए सफलता और संतोष लेकर आएगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता जरूर मिलेगी।

मकर : आज नौकरीपेशा लोगों के लिए शानदार दिन है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत होगी। घर-परिवार की समस्याओं को सुलझाने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ : आज मेहनत और बुद्धिमत्ता से आप सबको प्रभावित करेंगे। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का फायदा मिलेगा और आपकी साख मजबूत होगी। धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं।

मीन : आज आपको आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। कोई बड़ा जोखिम न लें। कोई आपसे धन उधार मांग सकता है। सोच-समझकर फैसला लें।

वर्ग पहेली नं. 3423

1			2	■	3		4	■	5
	■	■	6	7		■	8		
9		10	■	11		12	■	■	
■	■	13			■	14		15	
16	17		■	■	18		■		■
■		■	19			■	20		
21				■	22	23		■	■
24		■	25	26	■	27		28	29
	■	30					■	31	

बायें से दायें:- 1) असमानता, 3) प्रथम, 6) गुज़ारा, 8) चुंगीचोर, 9) टीका, 11) प्रेमपात्र, 13) नवनीत, 14) शरारत, 16) अस्तबल, 18) बोझ, 19) कठिन, 20) एक वाद्य, 21) सादृश्य; साम्य, 22) सांत्वना, 24) प्रत्येक, 25) हवा, 27) इरादा, 30) प्रभावी, 31) एक संख्या.

ऊपर से नीचे:- 1) भभूत, 2) हिम्मत, 3) कुल्हाड़ी, 4) पदाघात, 5) दुरुस्ती, 7) एक-सा, 10) लक्ष्मी, 12) विपत्ति, 15) भुना हुआ मसालेदार मांस, 17) अगणित, 18) एक देश, 19) किसी देश के राजदूत का कार्यालय, 20) मग्न; व्यग्र, 21) भोगना, 23) युद्ध, 26) आर्द्र; गीला, 28) कपासीय, 29) दुर्गंध.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

आ	ग्र	ह	■	ज़	■	माँ	झी	■	च
म	■	म	न	मा	ना	■	ना	का	म
ने	व	ला	■	न	र	म	■	■	च
सा	■	■	म	त	■	क़	ले	आ	म
म	क	रं	द	■	ख़ा	स	■	दे	■
ने	म	■	द	री	■	द	ह	श	त
■	ल	हँ	गा	■	गु	■	ल	■	रा
ढो	■	स	र	ग़	ना	■	च	■	बो
ल	गा	ना	■	■	ह	व	ल	दा	र

सुडोकू-पहेली-3381

8			7			2		
							9	3
	5	9		6			7	
5	9							6
	2	4				8	5	
				1				
	8				7		6	
								2
3					4		1	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3380 का उत्तर

6	2	3	7	4	5	1	8	9
1	5	4	8	2	9	7	3	6
7	8	9	3	1	6	4	2	5
5	7	1	2	3	4	9	6	8
8	4	6	5	9	7	3	1	2
3	9	2	6	8	1	5	7	4
4	6	8	1	5	3	2	9	7
2	3	5	9	7	8	6	4	1
9	1	7	4	6	2	8	5	3

पश्चिम बंगाल में रैलियां और रोड शो किसी तीर्थयात्रा की तरह लगे : प्रधानमंत्री मोदी

बैरकपुर में दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के दौरान रोड शो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया।

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में रैलियों को संबोधित करने और रोड शो में भाग लेने के दौरान उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे वे तीर्थयात्रा पर हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि मां काली के भक्तों से प्राप्त दिव्य ऊर्जा और जनता के आशीर्वाद ने उन्हें धुआंधार प्रचार के दौरान शक्ति प्रदान की। विधानसभा चुनावों के दूसरे और आखिरी चरण के लिए प्रचार के अंतिम दिन पश्चिम बंगाल की जनता को एक ऑडियो संदेश और खुले पत्र में, मोदी ने निवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अगली सरकार बनाएगी और कहा कि वह जनता के साथ मिलकर शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाएंगे। उन्होंने कहा, तेज गर्मी के बीच इतनी सारी रैलियों को संबोधित करने के बावजूद, पश्चिम बंगाल में इस चुनाव प्रचार के दौरान मुझे जरा भी थकान महसूस नहीं हुई। ये रैलियां, ये रोड शो... मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी तीर्थयात्रा पर हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भी मैं मां काली के भक्तों के बीच जाता था...शायद मां काली स्वयं ही मुझे निरंतर ऊर्जा से भर देती थीं। जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से पहले हुए अपने आध्यात्मिक अनुभव से तुलना करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनाव अभियान के दौरान भी उसी दिव्य ऊर्जा का अनुभव किया। उन्होंने कहा, अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले, मैंने 11 दिनों का अनुष्ठान पूरी श्रद्धा से किया था और उपवास रखा था। मुझे लगता है कि उस दौरान भगवान श्री राम ने मुझे असीम ऊर्जा से भर दिया था। उन्होंने आगे कहा, इस चुनाव में भी मुझे वही अनुभूति हुई – जैसे मंदिर में दर्शन करते समय होती है। लोगों को देखकर, जो मानो ईश्वर का अवतार हैं, मुझमें नई ऊर्जा का संचार हुआ। मोदी ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के उत्सव में भाग लेने और राज्य के विकास और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए भाजपा के रोडमैप को लोगों के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, आज प्रचार अभियान समाप्त हो रहा है। इस चुनाव प्रचार की मेरी आखिरी रैली भी अभी–अभी संपन्न हुई है। इस पत्र के माध्यम से मैं पश्चिम बंगाल के प्रत्येक परिवार के सदस्य के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं और अपनी भावनाएं साझा करना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान सभी आयु वर्ग के लोगों द्वारा दिखाया गया स्नेह ही उनके जीवन का वास्तविक धन है। भाजपा की जीत को लेकर अपना विश्वास दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल की सेवा और सुरक्षा करना मेरी जिम्मेदारी है। पश्चिम बंगाल के सामने आने वाली हर चुनौती को अवसर में बदलना भी मेरी नियति का हिस्सा है। मैं इस जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटूंगा... और हम सब मिलकर भाजपा के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाएंगे। उन्होंने कहा, यह सिर्फ मेरी निजी राय नहीं है। मैंने आपमें यह आत्मविश्वास महसूस किया है। उन्होंने कहा, चाहे युवा हों, महिलाएं हों या बुजुर्ग, मुझे सभी से स्नेह और आत्मीयता मिली है...मैं आज कहना चाहता हूं कि आपका प्यार और आशीर्वाद ही मेरे जीवन का असली धन है। राज्य में राजनीतिक बदलाव के लिए जोरदार पैरवी करते हुए मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के युवा और महिलाएं परिवर्तन के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के युवा आगे बढ़ना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की हमारी बेटियां खुली हवा चाहती हैं। वे सुरक्षा चाहती हैं। मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल का हर निवासी, हर परिवार एक ही संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, और वह यह है कि हमें अब बदलाव लाना होगा। आम आदमी कह रहा है, बहुत हो गया। अब और भय नहीं। अब हमें भरोसा चाहिए। अब हमें भाजपा चाहिए। पहले चरण के मतदान का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि उसने इतिहास रच दिया है और मतदाताओं से 29 अप्रैल को होने वाले अगले चरण में बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 93.19 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य में अब तक का सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, अब 29 अप्रैल को अधिकतम मतदान सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद कम से कम 60 और दिन तक केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे : शाह

- **दावा... राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी और यूसीसी लागू की जाएगी**
- **कहा, चार मई के बाद दोषियों को दी जाएगी सजा**

कोलकाता : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद कम से कम 60 और दिन तक केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। उन्होंने मतदाताओं से चुनाव के अंतिम चरण में दीदी के गुंडों से डरे बिना मतदान करने की अपील की। शाह बेहाला में रोड शो के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जहां 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण में मतदान होना है। 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था, जबकि मतगणना चार मई को होगी। शाह ने कहा, भाइयों और बहनों, 29 तारीख को जाकर वोट दीजिए, गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। निर्वाचन आयोग ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं और मैं आपको बता दूं कि भाजपा के सत्ता में आने पर भी केंद्रीय बल यहां 60 दिन तक रहेंगे। यह रोड शो बेहाला पूर्व और बेहाला पश्चिम सीटों के भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार के अंतिम दिन आयोजित किया गया। इस दौरान दक्षिण कोलकाता का यह इलाका भगवा रंग में रंग गया। खुले वाहन पर खड़े होकर शाह ने समर्थकों का अभिवादन किया।

खुले वाहन पर सवार शाह ने समर्थकों का अभिवादन किया। इस दौरान भाजपा समर्थक जय श्री राम तथा भारत माता की जय के नारे लगाते रहे। बाद में शाह ने हुगली जिले के चंदननगर में भी एक और भव्य रोड शो किया, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर गृह मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त लहर है और सत्ता में आने के बाद पार्टी सभी घुसपैठियों और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। चंदननगर में एक रोड शो के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कड़े शब्दों में कहा कि 29 अप्रैल को मतदाताओं को डराने–धमकाने की कोशिश न की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि चार मई के बाद दोषियों को सजा दी जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाने का विरोध कर रही हैं और वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध प्रवासियों को संरक्षण दे रही हैं। शाह ने कहा कि चार मई के बाद सभी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें पश्चिम बंगाल से बाहर निकाल दिया जाएगा। रोड शो के बाद शाह ने दावा किया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि चार मई के बाद किसी को भी बहुविवाह की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक चुनाव शांतिपूर्ण रहे हैं और कोई बड़ी हिंसक घटना या मौत नहीं हुई है। तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने राम मंदिर–बाबरी मस्जिद विवाद का जिक्र किया और निलंबित टीएमसी विधायक व एजेयूपी के संस्थापक हुमांयू कबीर का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि उनके जरिए बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने की कोशिश की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार पर सामाजिक कल्याण योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि सत्ता में आने पर दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल को सोनार बांग्ला बनाने, कानून–व्यवस्था सुधारने और विकास व सुशासन स्थापित करने के लिए भाजपा को सत्ता में लाना जरूरी है।

मतदाताओं को धमकाने के आरोप में टीएमसी उम्मीदवार के घर पुलिस की दबिश

- **मतदाताओं के पहचान पत्र भी छीनने का आरोप, प्रत्याशी फरार**
- **पुलिस पर्यवेक्षक अजयपाल शर्मा की सख्त चेतावनी, होगी कार्रवाई**

कोलकाता : दूसरे चरण के मतदान से पहले बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फलता में सोमवार को मतदाताओं को डराने और उनके पहचान पत्र छीनने के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जाहांगीर खान के घर पर पुलिस और केंद्रीय बलों ने दबिश दी। इस अभियान का नेतृत्व उत्तर प्रदेश के सख्त मिजाज आइपीएस अधिकारी और चुनाव आयोग के पुलिस पर्यवेक्षक अजयपाल शर्मा कर रहे थे। आयोग सूत्रों के मुताबिक, सुबह करीब 10 बजे केंद्रीय बलों के साथ वे उम्मीदवार के घर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया।

हालांकि, छापेमारी के दौरान खुद उम्मीदवार जाहांगीर खान घर पर मौजूद नहीं मिले। घर के बाहर उनकी लाल रंग की लग्जरी गाड़ी खड़ी थी, लेकिन उनके ठिकाने को लेकर परिवार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। चुनाव आयोग को आशंका है कि गिरफ्तारी या पूछताछ से बचने के लिए उम्मीदवार इलाके से फरार हो गए हैं। अभियान के दौरान अजयपाल शर्मा का कड़ा रुख भी सामने आया। उन्होंने उम्मीदवार के परिवार और समर्थकों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें साफ बता दीजिए कि लोगों को डराने–धमकाने की जो शिकायतें मिल रही हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होगी। बाद में पछताने का मौका नहीं मिलेगा।

बंगाल में 79 देसी बम बरामद होने के मामले की एनआइए ने संभाली जांच

कोलकाता : एनआइए ने बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के भांगड़ शनिवार को 79 देसी बम बरामद होने के मामले की जांच अपने हाथ में लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले निर्वाचन आयोग ने बंगाल पुलिस को देसी बम के अवैध निर्माण में संलिप्त लोगों को गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू करने का निर्देश दिया था। आयोग ने निर्देश दिया है कि इस तरह के किसी भी विस्फोटक के निर्माण से संबंधित मामलों की एनआइए द्वारा की जाएगी। निर्वाचन आयोग का यह निर्देश तब आया जब पुलिस ने दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में टीएमसी कार्यकर्ता रफीकुल इस्लाम के घर से बड़ी संख्या में देसी बम बरामद किए, जो बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का कथित कार्यकर्ता है।

भाजपा से पैसे लें, तृणमूल कांग्रेस का समर्थन करें : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधानसभा क्षेत्रों में समर्थन जुटाने के लिए पैसे बांट रही है। उन्होंने तृणमूल कार्यकर्ताओं से भाजपा नेताओं से पैसे स्वीकार करने, लेकिन चुनाव में अपनी ही पार्टी का समर्थन करने की अपील की। अभिषेक ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के धानीखाली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर भाजपा नेता पैसे बांटते हुए नजर आते हैं, तो लोगों को इसे स्वीकार कर लेना चाहिए, क्योंकि यह उन्हीं का पैसा है। उन्होंने कहा, यह हमारे हक की राशि है, जिसे उन्होंने (केंद्र सरकार) रोक दिया है। उन्होंने हमें एक लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय बकाया से वंचित कर दिया है। उनसे पैसा लें और तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को वोट दें। अभिषेक ने आरोप लगाया कि राज्य में भारी मात्रा में धन की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा, दो दिन पहले छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति के जूते में छिपाकर रखी गई राशि बरामद हुई थी। असम भाजपा का एक नेता नोटों की गड्डियों की आपूर्ति में शामिल है। भाजपा ने सारी हदें पार कर दी हैं। अभिषेक ने कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, चार मई को हमारी सरकार बनने के बाद 31 मई तक आपके नाम मतदाता सूची में दर्ज कर लिए जाएंगे। तृणमूल नेता ने दावा किया कि आज अगर सुभाष चंद्र बोस और स्वामी विवेकानंद जैसी महान हस्तियां जीवित होतीं, तो उन्हें भी मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत नोटिस जारी किए जाते। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के मन में बंगालियों के लिए कोई सम्मान नहीं है। अभिषेक ने कहा, यह मेरी जिम्मेदारी है। यह जमीन समान रूप से हम सबकी है। आजादी के 79 साल बाद अब दिल्ली और गुजरात के नेता हमसे हमारी नागरिकता का सबूत मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, जो लोग 2014 से 'जय श्री राम' का नारा लगा रहे हैं और हमारी खान–पान की आदतों का मजाक उड़ा रहे हैं, वे अब मछली के साथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। हरिंगहाटा में एक अन्य रैली में अभिषेक ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस ने 23 अप्रैल को पहले चरण के चुनाव में ही शतक का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने कहा, अगर वहां मौजूद सभी लोग हमें वोट देते हैं, तो हर जगह भाजपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो जाएगी। अभिषेक ने भाजपा नेताओं पर उत्तर 24 परगना और नादिया जैसे जिलों में मतुआ समुदाय के सदस्यों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा विधायक असीम सरकार ने कहा था कि अगर मतुआ समुदाय के लोगों के नाम हटा दिए जाते हैं, तो यह मेरी समस्या नहीं होगी।

चौरंगी: प्रचार थमा, चुनावी वायदों पर फैसला जनता के हाथ

- स्टार प्रचारकों द्वारा धुआंधार प्रचार
- आरोप–प्रत्यारोप से अखाडा बना क्षेत्र

पिछले चुनाव 2021 का परिणाम

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त वोट	प्रतिशत
नयना बंद्योपाध्याय	तृणमूल	70,101	62.87
देवदत्त माझी	भाजपा	24,757	22.20
संतोष पाठक	कांग्रेस	14,266	12.80

मतदान	मतगणना
29 अप्रैल	4 मई

नयना बंद्योपाध्याय

तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार, बंगाली सिनेमा का एक प्रसिद्ध चेहरा, पश्चिम बंगाल के बड़े नेता सुदीप बंद्योपाध्याय की पत्नी, राजनीति में 2001 से सक्रिय, पहले बउबाजार फिर 2016 से चौरंगी से विधायक

संतोष पाठक

भाजपा के उम्मीदवार, लड़ाकू और बेवाकी नेता की छबि, कांग्रेस से लगातार चार बार से 45 नंबर वार्ड के पार्षद, 2026 चुनाव से ठीक पहले भाजपा का दामन थामा, 2021 के चुनाव में चौरंगी से कांग्रेस के टिकट पर हार

कोलकाता : राजनीति में जीतने के लिए चारों कलाएं लगानी पड़ती हैं। साम, दाम, दंड और भेद राजनीति में कूटनीति के चार स्तम्भ हैं। इनके बिना किसी भी दल या नेता के लिए अपना महल खड़ा करना आसान नहीं है। बात पश्चिम बंगाल की हो तो यहां राजनीति लोगों के रग–रग में है। कोलकाता उत्तर का चौरंगी विधान सभा क्षेत्र झंडा, बैनर, फेस्टून से पूरा का पूरा पट गया है। ताल दोनों तरफ से ठोकी जा रही है। सीधा मुकाबला भाजपा और तृणमूल कांग्रेस में है। तृणमूल को जन कल्याणी नीतियों और एसआईआर जैसे ज्वलंत मुद्दों का आश्रय है तो भाजपा को बदलाव, करप्शन और विकास के नाम पर भरोसा।

- **वर्तमान प्रतिनिधित्व :** नयना बंद्योपाध्याय, तृणमूल कांग्रेस से वर्तमान विधायक हैं, जिन्होंने 2021चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के देवदत्त माझी को 45344 मतों के भारी अंतर से हराकर यह सीट जीती थी।
- **मुख्य बिंदु :** 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल को 47.37%, भाजपा को 34.76% और 2021 विधानसभा चुनाव में तृणमूल को 62.88% और भाजपा को 22.21% वोट मिला। मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 35% से अधिक, डखठ के तहत करीब 80000 से अधिक नाम कटे।
- **चुनावी मुद्दे:** पश्चिम बंगाल में डखठ की प्रक्रिया, बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा, औद्योगिक विकास, बेरोजगारी, राज्य और केंद्र की नीतियों के विरोध, बंगाल और बंगाली तथा राष्ट्रवाद आदि मुद्दे प्रमुख हैं।
- **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व:** 18वीं सदी के संत चौरंगीनाथ के नाम पर इस क्षेत्र का नामकरण हुआ. अंग्रेजों द्वारा निर्मित फोर्ट विलियम, बड़े हेरिटेज होटलों और एलीट क्लबों, बिजनेस हब, बड़े बड़े मार्केट और चौड़ी सड़कों के लिए जाना जाता है. विक्टोरिया मेमोरियल, राजभवन, मेट्रोपॉलिटन बिल्डिंग और शहीद मीनार जैसे ऐतिहासिक धरोहर शामिल हैं. इस क्षेत्र का मैदान राजनीतिक रैलियों में बड़ी भीड़ को समाहित करता है. मेट्रो स्टेशन, सरकारी कार्यालय, कॉलेज, अस्पताल शहर को विशिष्ट बनाते हैं।
- **भौगोलिक संरचना:** कोलकाता उत्तर लोकसभा सीट के सात विधान सभा में एक, जो शहर का व्यवसायिक केंद्र भी है. इसमें कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के 11 वार्ड 44 से 53 और 62 आते हैं।
- **चुनावी संरचना:** तृणमूल का वार्ड 44,46,53,62 में जोरदार प्रदर्शन तो भाजपा वार्ड 45,47,48,49,50, 51,52 पिछले चुनावों में आगे रही है। मतदाता संख्या 2021 के चुनाव में 2 लाख 10 हजार से घटकर 2026 में 1 लाख तीस हजार हो गयी है।
- **अवलोकन:** सिनेमा और टीवी सीरियल के क्षेत्र में मशहूर उम्मीदवार को जनता का विशेष समर्थन मिलता ही है। पति और सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय की लोकप्रियता और अनुभव का लाभ अवश्य मिलेगा। दीदी की लोकप्रियता और जनकल्याणी योजनाओं का लाभ बेशक सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवार को मिलेगा।

स्थानीय समस्याओं को नियोजित तरीके से पूरे जोश–ओ–ख़रोश और बेवाकी से अपनी बात लोगों तक पहुँचाने का लाभ मिलेगा। सोशल मीडिया द्वारा लोगों तक पहुँचने का असर होगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा प्रचार किये जाने का लाभ मिल सकता है। साथ ही भाजपा के योजनाबद्ध और कौशलपूर्ण तरीके से चुनाव लड़ने का भी लाभ मिलगा।

बंगाल में चुनाव के दौरान 510 करोड़ की जब्ती, 2021 के आंकड़ों को पीछे छोड़ा

कोलकाता, समाज्ञा

चुनावी माहौल में पश्चिम बंगाल से अब तक जब्त की गई वस्तुओं का कुल आंकड़ा 510 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के आंकड़े को भी पीछे छोड़ देता है। चुनाव आयोग ने राज्य में चुनाव के दौरान की गई जब्ती का पूरा ब्योरा सामने रखा है। पूरे राज्य में सख्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और सड़कों के मोड़ों पर वाहनों व बाइकों की नाका जांच की जा रही है। इस दौरान कई बार नकदी, नशीले पदार्थ और अन्य वस्तुएं बरामद की जा रही हैं।

27 अप्रैल तक के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल से 30 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 48,46,183 लीटर शराब जब्त की गई है, जिसकी कुल कीमत 126.85 करोड़ रुपये है। वहीं 110.12 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ, 58.28 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातुएं और 184.85 करोड़ रुपये मूल्य की अन्य वस्तुएं भी बरामद की गई हैं। कुल मिलाकर अब तक 510.10 करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की जा चुकी है।

यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान जब्त किए गए 339 करोड़ रुपये की नकदी और अन्य सामान से भी अधिक है। चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में 2728 फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं, जो किसी भी शिकायत पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई करते हैं। इसके साथ ही नाका जांच के लिए 3142 स्टैटिक सर्विलांस टीमें भी तैनात की गई हैं।

बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव से पहले तृणमूल पार्षद समेत 1,543 लोग गिरफ्तार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले राज्य में माहौल बिगाड़ने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए तृणमूल कांग्रेस के एक पार्षद सहित कुल 1,543 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व बर्धमान जिले की बर्धमान नगरपालिका में वार्ड संख्या 22 से तृणमूल पार्षद नारू गोपाल भाकट को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता के आवास पर हमले में शामिल होने तथा धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि भाकट के खिलाफ निर्वाचन आयोग के समक्ष भी शिकायत दर्ज कराई गई है। हालांकि, तृणमूल पार्षद ने अपने ऊपर लगाए आरोपों को खारिज करते हुए कहा, मैं जनता के लिए काम करता हूं। मुझे इसी कारण गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, पूर्व बर्धमान में 479, उत्तर 24 परगना में 319, दक्षिण 24 परगना में 246, हुगली में 49 और नादिया में 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि इन लोगों के खिलाफ निर्वाचन आयोग के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इस बीच, मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने मतदान केंद्रों पर लगाए गए वेबकास्टिंग उपकरणों के संचालन के संबंध में नये दिशा–निर्देश जारी किए हैं। सोमवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, वेबकास्टिंग के लिए इस्तेमाल किए गए कैमरों को 29 अप्रैल को मतदान समाप्त होने के बाद सेक्टर अधिकारियों की उपस्थिति में निकाला जाना चाहिए और उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए निर्दिष्ट प्राप्ति केंद्रों पर जमा किया जाना चाहिए।

भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी की उम्मीदवारी रद करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज

- **कोर्ट ने पूछा, संविधान के किस प्रावधान के तहत उनकी उम्मीदवारी रद की जा सकती है**
- **याचिकाकर्ता नहीं दे सका संतोषजनक जवाब**

कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका खारिज कर दी, जिसमें भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवारी रद करने की मांग की गई थी। बंगाल की इस सीट पर दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है। भवानीपुर सीट पर अधिकारी का मुकाबला मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि अधिकारी ने कुछ ऐसी टिप्पणियां की हैं जो देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे के खिलाफ हैं, इसलिए उनकी उम्मीदवारी रद की जानी चाहिए।हालांकि, अदालत के इस सवाल पर याचिकाकर्ता कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका कि संविधान के किस प्रावधान के तहत उनकी उम्मीदवारी रद की जा सकती है। मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करने से इन्कार करते हुए खारिज कर दिया। अधिकारी के वकील बिल्वादल भट्टाचार्य ने दावा किया कि यह याचिका राजनीतिक उद्देश्य से दायर की गई है, ताकि भवानीपुर से अधिकारी की उम्मीदवारी को प्रभावित किया जा सके। बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हो चुका है। मतगणना चार मई को होगी।

बंगाल के जगदल में पीएम की सभा से पहले टीएमसी व भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक संघर्ष

❑ कई जख्मी, केंद्रीय जवान को लगी गोली

❑ भाजपा प्रत्याशी के घर के बाहर देर रात गोलीबारी और बमबाजी

❑ आयोग ने मांगी रिपोर्ट, चार गिरफ्तार, दोनों दलों ने एक दूसरे पर लगाया हमले का आरोप

कोलकाता : बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के जगदल में प्रधानमंत्री की सभा तथा दूसरे चरण के मतदान से पहले रविवार रात हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। पूर्व सांसद तथा भाजपा नेता अर्जुन सिंह के बेटे और भाटपाड़ा से भाजपा प्रत्याशी पवन सिंह के घर के बाहर देर रात गोलीबारी और बमबाजी की घटना सामने आई। इस दौरान केंद्रीय बल के एक जवान के घायल होने की खबर है। घायल जवान की पहचान सीआइएसएफ के जवान योगेश शर्मा के रूप में हुई है, जो पवन सिंह की सुरक्षा में तैनात थे। गोली उनके पैर में लगी और उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोली किसने चलाई। इस घटना में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है तथा आयोग ने रिपोर्ट मांगी है।

घटना की शुरुआत रविवार शाम को हुई। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता बिट्टू महतो पार्टी का झंडा और बैनर लगा रहे थे, तभी भाजपा समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की। इसके बाद घायल कार्यकर्ता तृणमूल नेताओं के साथ जगतदल थाने शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। इसी दौरान खबर मिलते ही अर्जुन सिंह अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंच गए। वहां दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो जल्द ही धक्का-मुक्की और मारपीट में बदल गई। रात बढ़ने के साथ हालात और बिगड़ते गए और थाने के बाहर पथराव शुरू हो गया।

तृणमूल के उम्मीदवार ने आरोप लगाया कि हमारे कार्यकर्ता के साथ मारपीट हुई और जब हम शिकायत करने थाने गए तो अर्जुन सिंह ने दबंगई दिखाते हुए हमला करवाया। हालांकि भाजपा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया और दावा किया कि उनके कार्यकर्ता ही हमले का शिकार हुए हैं। कुछ समय बाद थाने के पास स्थिति शांत हुई, लेकिन तनाव की चिंगारी पवन सिंह के घर तक पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वहां बम फेंके गए और कम से कम एक राउंड फायरिंग हुई। स्थिति संभालने पहुंचे सुरक्षाकर्मी योगेश शर्मा गोली लगने से घायल हो गए। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों की गोलीबारी में केंद्रीय जवान घायल हुए हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने इसे भाजपा की साजिश करार दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने भी इस पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है।

सीआइएसएफ डीजी ने अस्पताल पहुंचकर गोलीबारी में घायल अपने जवान का जाना हाल

कोलकाता : बंगाल में चुनाव की गहमागहमी के बीच उत्तर 24 परगना जिले के जगदल में भाजपा प्रत्याशी व विधायक पवन सिंह के आवास के बाहर हुई गोलीबारी में सुरक्षा ड्यूटी के दौरान घायल हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के एक जवान को देखने सोमवार को बल के महानिदेशक (डीजी) अस्पताल पहुंचे। सीआइएसएफ के डीजी प्रवीर रंजन, बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार और एडीजी- नार्थ सुधीर कुमार के साथ अस्पताल पहुंचे और घायल जवान कांस्टेबल योगेश शर्मा से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

गंगासागर स्थित कपिल मुनि मंदिर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूजा-अर्चना की

वोटर स्लिप नहीं मिली तो भी डाल सकते हैं वोट, आयोग ने दूर किया भ्रम

❑ मोबाइल ऐप और मैसेज के जरिए भी मिल जाएगी पूरी जानकारी

कोलकाता, समाज्ञा : चुनाव से एक दिन पहले भी कई मतदाताओं के पास वोटर स्लिप नहीं पहुंची है, जिससे लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। खासकर जिन मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र, पार्ट नंबर या सीरियल नंबर की जानकारी नहीं है, वे इसे लेकर चिंतित हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया है कि मतदाता अब डिजिटल माध्यम से भी अपनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ईसीआईएनईटी ऐप के जरिए या मोबाइल फोन से 1950 नंबर पर संदेश भेजकर मतदाता अपने नाम, मतदान केंद्र, पार्ट नंबर और सीरियल नंबर की जानकारी हासिल कर सकते हैं। आयोग के अनुसार, ईसीआईएनईटी ऐप में सर्च यॉर नेम इन वोटर लिस्ट विकल्प के माध्यम से एपिक नंबर या पंजीकृत मोबाइल नंबर डालकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। वहीं, ईसीआई लिखकर 1950 पर संदेश भेजने से भी संबंधित विवरण मोबाइल पर मिल जाता है। सबसे अहम बात यह है कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान के लिए वोटर स्लिप अनिवार्य नहीं है। यदि किसी मतदाता के पास स्लिप नहीं है, तब भी वह वैध पहचान पत्र के साथ मतदान केंद्र पर जाकर अपना वोट डाल सकता है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि वोटर स्लिप न होने की स्थिति में मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा। मतदाताओं से अपील की गई है कि वे घबराएं नहीं और उपलब्ध विकल्पों का उपयोग कर अपनी जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित पहचान पत्र के साथ मतदान अवश्य करें।

हावड़ा उत्तर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी उमेश राय के समर्थन में दूसरे चरण के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान रैली में अभिनेता एवं भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती।

चौरंगी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी संतोष पाठक के समर्थन में चुनाव प्रचार करतीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी।

बंगाल में बदलाव तय, जनता अब मौजूदा सरकार से परेशान : धनंजय सिंह

कोलकाता : उत्तर प्रदेश के जौनपुर से आने वाले पूर्व सांसद और बाहुबली छवि वाले नेता धनंजय सिंह इन दिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं, जहां वे चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। 16 जुलाई 1975 को जौनपुर के बनसफा गांव में जन्मे धनंजय सिंह एक चंदेल राजपूत परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता राजदेव सिंह सरकारी शिक्षक थे। छात्र राजनीति से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करने वाले धनंजय सिंह ने जौनपुर के टी.डी. कॉलेज और लखनऊ विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। 2002 में पहली बार विधायक बनने के बाद उन्होंने क्षेत्रीय राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ बनाई और 2009 से 2014 तक जौनपुर से सांसद भी रहे। जहां एक ओर उनके समर्थक उन्हें एक प्रभावशाली और जनाधार वाले नेता के रूप में देखते हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी छवि विवादों से भी जुड़ी रही है।

इन दिनों धनंजय सिंह पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे हुए हैं। इसी दौरान उनसे मौजूदा राजनीतिक हालात और बंगाल के मुद्दों पर हमारी खास बातचीत हुई।

❑ सवाल: आप कोलकाता में प्रचार के लिए आए हैं। यहां का माहौल देखकर क्या महसूस हो रहा है?

जवाब: कोलकाता और पूरे बंगाल का माहौल देखने के बाद यही लगता है कि लोग मौजूदा व्यवस्था से काफी परेशान हो चुके हैं। पिछले कई दशकों में यहां की स्थिति लगातार खराब होती गई है। पहले लेफ्ट सरकार के खिलाफ लोगों ने ममता बनर्जी को मौका दिया, लेकिन पिछले 15 वर्षों में उनकी सरकार से भी लोगों को निराशा ही हाथ लगी है। भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी और प्रशासनिक कमजोरी के कारण आम जनता परेशान है। बंगाल हमेशा से पढ़े-लिखे और जागरूक लोगों का राज्य रहा है, लेकिन आज यहां का माहौल वैसा नहीं रहा जैसा होना चाहिए।

❑ सवाल: क्या इस बार बंगाल में बदलाव की लहर दिख रही है?

जवाब: जी हां, इस बार लोगों का मन पूरी तरह बन चुका है। वे बदलाव चाहते हैं। जनता अब सरकार बदलने के मूड में है क्योंकि उन्हें बेहतर शासन और सुरक्षा की उम्मीद है।

❑ सवाल: अक्सर कहा जाता है कि बंगाल का चुनाव बाकी देश से अलग होता है। आप क्या सोचते हैं?

जवाब: ऐसा कहना सही नहीं है। यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और यहां भी वही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है जो देश के बाकी हिस्सों में होती है। यहां मुख्य मुकाबला दो प्रमुख पार्टियों के बीच है। जहां तक अल्पसंख्यकों की बात है, मेरा मानना है कि इस देश में हर नागरिक को मुख्यधारा की राजनीति में एक भारतीय के रूप में भाग लेना चाहिए। यहां संविधान के अनुसार ही सब कुछ चलेगा।

❑ सवाल: ममता बनर्जी अक्सर कहती हैं कि भाजपा बाहरी पार्टी है। इस पर आपका क्या कहना है?

जवाब: यह बात समझ से परे है। भारत एक देश है और भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है। भाजपा देश के हर कोने में काम करती है। हमारे राष्ट्रीय प्रतीक, विचारधारा और प्रेरणास्रोत जैसे वंदे मातरम्, स्वामी विवेकानंद-ये सभी इसी देश की पहचान हैं। इसलिए बाहरी वाला तर्क सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए दिया जाता है।

❑ सवाल: यहां के लोगों से मिलकर आपका अनुभव कैसा रहा?

जवाब: बहुत ही सकारात्मक अनुभव रहा। लोगों का प्यार और समर्थन साफ दिखाई देता है। हाल ही में जब मैं बीजपुर विधानसभा क्षेत्र गया था, वहां दो बुजुर्ग महिलाओं ने खुद आकर बातचीत की। उन्होंने जो स्नेह और विश्वास दिखाया, वह बताता है कि जनता बदलाव चाहती है।

❑ सवाल: बंगाल के लोगों के लिए आपका संदेश क्या है?

जवाब: बंगाल हमेशा से देश को दिशा देने वाला राज्य रहा है। यहां के लोगों ने शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाई है।आज जरूरत है कि बंगाल फिर से उसी गौरव को प्राप्त करे। कानून-व्यवस्था मजबूत हो, विकास हो और लोग सुरक्षित महसूस करें। साथ ही, देश की सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा भी बेहद जरूरी है। अवैध घुसपैठ एक गंभीर मुद्दा है, जिस पर सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। हमारा उद्देश्य है कि हर नागरिक सुरक्षित रहे और देश मजबूत बने।

हावड़ा उत्तर: कोई डाल-डाल कोई पात-पात, अब बस एक रात की बात

❑ स्टार प्रचारकों का जोर-शोर प्रचार

❑ एक दुसरे पर जोरदार जुबानी हमला

मतदान	मतगणना
29 अप्रैल	4 मई

पिछले चुनाव 2021 का परिणाम

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त वोट	प्रतिशत
गौतम चौधरी	तृणमूल	71575	47.81%
उमेश राय	भाजपा	66053	44.12%

गौतम चौधरी

तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार, पहले कॉउन्सिलर और अब हावड़ा उत्तर के वर्तमान विधायक, 2021 के विधान सभा चुनाव में जीत।

उमेश राय

भाजपा के उम्मीदवार, लड़ाकू और बेवाकी नेता की छबि, राजनीति की शुरुआत भाजपा के साथ, पहले पार्षद, 2021 के चुनाव में हावड़ा उत्तर से हार।

हावड़ा : पश्चिम बंगाल के पहले चरण के चुनाव में बम्पर वोटिंग का गणित दोनों पार्टियां अपने-अपने तरीके से लगा रही हैं। बम्पर वोटिंग सभी 152 निर्वाचन क्षेत्रों में हुई है जहां 23 अप्रैल को चुनाव हुए हैं। चाहे हिन्दू बाहुल्य इलाका हो या मुस्लिम बाहुल्य सभी जगह वोट का प्रतिशत एक सा रहा है। आशय यह कि हर जगह लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया है, जो पूरे भारत में वोटिंग का रिकॉर्ड बनाता है। इस क्षेत्र में भी बम्पर वोटिंग की संभावना है। जय बांग्ला और भारत माता की जय के नारों, स्टार प्रचारकों का जमावड़ा, उम्मीदवारों की गर्मजोशी, अथक प्रचार-प्रसार, रैलियों में जनता का रेला, बैनर, पोस्टर और झंडो से सजे गली-रास्ते देखने से तो ऐसा ही प्रतीत होता है। जीत-हार की दिशा यहीं से तय होगी लेकिन अंतिम फैसला तो 4 मई के दिन होगा।

❑ वर्तमान प्रतिनिधित्व: गौतम चौधरी, तृणमूल कांग्रेस से वर्तमान विधायक हैं, जिन्होंने 2021 चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के उमेश राय को 5522 मतों के अंतर से हराकर यह सीट जीती थी।

❑ चुनावी मुद्दे: हावड़ा उत्तर की मूल समस्याओं में पुराने मकान और संकरी गलियों तथा घनी आवादी का क्षेत्र होने के कारण कचरा प्रबंधन भी एक बड़ी चुनौती है। जल निकासी की व्यवस्था पुरानी पाइपलाइनों के कारण वर्षा काल में प्रमुख क्षेत्रों में पानी भर जाना। थोड़ी भी बारिस में कई दिनों तक जमा पानी का नहीं निकलना। कई इलाकों में भू-धसान की समस्या से परेशान लोग, स्थानीय युवाओं के लिए सीमित औद्योगिक अवसर के कारण बेरोजगारी की समस्या।

❑ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व: हुगली नदी के पश्चिमी तट पर स्थित 'हरिरा' जो अब हावड़ा के नाम से जाना जाता है, प्राचीन काल से ही एक औद्योगिक शहर है। इसी शहर का प्रधान क्षेत्र है हावड़ा उत्तर। भारत का प्राचीनतम और व्यस्ततम रेलवे स्टेशन में से एक हावड़ा इसी क्षेत्र में स्थित है। हावड़ा ब्रिज इस क्षेत्र का प्रवेश द्वार है, जो इसे कोलकाता मेट्रोपोलिटन सिटी से जोड़ता है। इस क्षेत्र को मिनी बिहार की संज्ञा भी दी जाती है।

❑ भौगोलिक संरचना: सलकिया, घुसुड़ी, पिलखना और बेलूर के कुछ हिस्से इस विधान सभा क्षेत्र के मुख्य भाग हैं। हावड़ा म्युनिसिपल कारपरेशन के वार्ड 1-7 और 10-16 इस विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

❑ मुख्य बिंदु: 2021 के चुनाव में हार-जीत का कम अंतर। मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 10% से कुछ अधिक, डखठ के तहत करीब 58000 से अधिक नाम कटे। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र में रैली।

❑ चुनावी संरचना: मतदाता संख्या 2021 में 2,18,397 थी जो 2026 में डखठ के बाद कुल 1,60,314 (अभी तक) हैं, जिसमें 83,883 पुरुष और 76,423 महिलाएं तथा 8 अन्य हैं।

❑ आबादी: क्षेत्र की पूरी जनसंख्या में 86% हिन्दू, 12% मुस्लिम और 2% अन्य की भागीदारी है। क्षेत्र में करीब 65% हिंदी भाषी मतदाता हैं जिनकी चुनाव परिणाम तय करने में अहम भूमिका होती है।

❑ अवलोकन: 2011 से लगातार पार्टी और पिछली बार की अपनी जीत के कारण तृणमूल उम्मीदवार को जीत का भरोसा। दीदी की लोकप्रियता और जनकल्याणी योजनाओं का लाभ बेशक तृणमूल उम्मीदवार को मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र में रैली कर पैदल यात्रा करना वोटों में बढ़ोतरी कर सकता है।

पिछले चुनाव में हार का अंतर कम होने के कारण भाजपा उम्मीदवार को जीत की उम्मीद बनी है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा प्रचार किये जाने का लाभ मिल सकता है। भाजपा के योजनाबद्ध और कौशलपूर्ण तरीके से चुनाव लड़ने का लाभ भाजपा उम्मीदवार को अवश्य मिलेगा। प्रधानमंत्री द्वारा क्षेत्र में रोड शो उम्मीदवार को लाभान्वित कर सकता है।

विश्व भारती के शिक्षकों ने कुलपति को पत्र लिखकर चुनाव ड्यूटी को लेकर चिंता जताई

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विश्व भारती विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने चुनाव से संबंधित अत्यंत तनावपूर्ण ड्यूटी को लेकर कुलपति प्रबीर कुमार घोष को पत्र लिखा और निर्वाचन आयोग से तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कई संकाय सदस्यों ने 26 अप्रैल को लिखे पत्र में कहा कि वे विभिन्न जिलों में चुनाव संबंधी कार्यों के लिए निरंतर तैनाती के कारण अत्यंत मानसिक व शारीरिक तनाव का सामना कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव के तहत 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ जबकि 29 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होगा। मतगणना चार मई को होगी। शिक्षकों ने पत्र में कहा, हम मजबूर होकर तत्काल आपका ध्यान दिलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनमें से कई को दक्षिण 24 परगना जिले के विभिन्न भागों में ड्यूटी दी गई है और वीरभूम में काम पूरा करने के महज एक दिन बाद 28 अप्रैल की सुबह वहां पहुंचने के लिए कहा गया है। पत्र में कहा गया है, कई लोगों को सागर द्वीप तक जाना है। सीमित परिवहन विकल्प और बहुत कम समय देने के कारण समय पर वहां पहुंचना बहुत मुश्किल है। विश्व भारती फैकल्टी एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारी सुदीप्त भट्टाचार्य ने कहा कि शिक्षकों को चुनाव ड्यूटी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन ड्यूटी का कार्यक्रम, तैनाती के स्थान और पहुंचने का समय किसी भी व्यक्ति के लिए मानवीय रूप से असंभव है और इस पर बहुत कम विचार किया गया है। उन्होंने कहा, दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होना है, ऐसे में हम इस मामले में कुलपति और निर्वाचन आयोग के तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हैं। कुलपति की तरफ से इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि आयोग को पत्र प्राप्त हुआ है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में आयोग के लिए चुनाव कार्यक्रम में बदलाव करना लगभग असंभव होगा। उन्होंने कहा, हम सम्मानित शिक्षकों समेत सभी से सहयोग की अपेक्षा करते हैं। आयोग उनके ठहरने और परिवहन की व्यवस्था करेगा और पहले चरण की तरह उनकी सुरक्षा का भी ध्यान रखेगा।

सिंडिकेट कल्चर को समाप्त कर पोर्ट इलाके का सुंदरीकरण: राकेश सिंह

2021 विधान सभा चुनाव परिणाम

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त वोट	प्रतिशत
फिरहाद हाकिम	तृणमूल	105,543	69.23%
अवध किशोर गुप्ता	भाजपा	36,989 2	4.26%
मोहम्मद मुख्तार	कांग्रेस	5,590	3.67%

2016 विधान सभा चुनाव परिणाम

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त वोट	प्रतिशत
फिरहाद हाकिम	तृणमूल	73,459	53.21%
राकेश सिंह	कांग्रेस	46,911	33.98%
अवध किशोर गुप्ता	भाजपा	11,700	8.48%

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार थम गया. सभी दल के उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी पूरी ताकत जीत के लिए झोंक दी. पार्टियों का शीर्ष नेतृत्व किसी भी राज्य के विधान सभा चुनाव में आज से पहले इतना सक्रिय नहीं रहा. कई मायने में इस बार का विधान सभा चुनाव ऐतिहासिक होगा। चाहे वो प्रचार का जोर-शोर हो या डखठ का विरोध। कोलकाता पोर्ट जिसका 2011 से पहले गार्डन रीच विधान सभा नाम था, कोलकाता में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 2011 से तृणमूल कांग्रेस के फिरहाद हाकिम इस क्षेत्र से विधायक हैं. 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कोलकाता पोर्ट निर्वाचन क्षेत्र से राकेश सिंह भाजपा के उम्मीदवार हैं। भवानीपुर के निवासी सिंह एक व्यवसायी हैं, जो पूर्व में कांग्रेस नेता और अब भाजपा के टिकट पर विधान सभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला मुख्य रूप से टीएमसी के हैवी वेट कैंडिडेट फिरहाद हाकिम से है। 2016 के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर फिरहाद हाकिम से दो-दो हाथ कर चुके सिंह को करीब 47 हजार वोट मिले थे हालांकि उन्हें 26,548 वोटों से सिकस्त मिली थी.

आइए प्रस्तुत है भाजपा नेता राकेश सिंह से बात चीत के मुख्य अंश-

❑ सवाल: कोई दो विशेष बातें जो राकेश सिंह उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी से भिन्न बनाती हैं।

जवाब: मैं सफाई पसंद व्यक्ति हूं। गन्दगी मुझे बिलकुल पसंद नहीं है, चाहे वह कचरे के रूप में हो या भ्रष्टाचार के रूप में। जनता के बीच में रहकर उनकी सुविधा के लिए काम करना पसंद करता हूं।

❑ सवाल: राकेश सिंह की पृष्टभूमि या स्वाभाव पहले से ही संग्रामी या राजनीति में आने के बाद।

जवाब: सैद्धांतिक या नीतिगत मूल्यों का जब हनन होते देखता हूं तो अपने अंदर के आक्रोश को दबा नहीं पाता हूं, ऐसा स्वभाव बचपन से ही है। राजनीति में आने के बाद भी दिखावा नहीं हो पाता।

❑ सवाल: क्षेत्र की मूलभूत समस्या और उससे निजात पाने का तरीका क्या होगा?

जवाब: ड्रग्स की खुले आम बिक्री युवाओं को बर्बाद कर रही है जिसके कारण चोरी, छिनतई और अन्य क्राइम बढ़ते जा रहे हैं। यातायात के साधनों की कमी है जिसके चलते ऑटो भाड़ा अनापसनाप रहता है। सिंडिकेट और तोलाबाजी कल्चर पूरे क्षेत्र को प्रभावित करता है। मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में काफी गंदगी होती है। ऐसी और भी समस्या है जिसका समाधान अति आवश्यक है। ईमानदारी और निष्ठा से काम करने पर हर समस्या का समाधान हो सकता है।

❑ सवाल: अगर आप जीत जाते हैं तो कौन सी दो समस्याओं का समाधान पहले करना चाहेंगे।

जवाब: स्वच्छ जल मुहैया करवाना और ड्रग्स, नशामुक्त समाज तैयार करना।

❑ सवाल: अपने क्षेत्र के मतदाताओं से क्या कहना चाहेंगे?

जवाब: मतदाताओं से अपील भाजपा का एक छोटा कार्यकर्ता है राकेश इसे एक मौका, पांच साल दें। दूसरे को 15 साल दिए है, जो काम 15 साल में नहीं हुआ वो 5 साल में करके दिखाऊंगा।

हुगली में टीएमसी सांसद पर हमला, गाड़ी का शीशा टूटा, भाजपा पर आरोप

❑ **घायल सांसद मिताली बाग को अस्पताल में कराया गया भर्ती**

❑ **पुलिस ने भाजपा से संबद्ध तीन लोगों को हिरासत में लिया**

कोलकाता : बंगाल के हुगली जिले के गोघाट में सोमवार को विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिताली बाग पर हमले की घटना घटी है। जानकारी के मुताबिक मिताली बाग की एसयूवी जब सड़क से गुजर रही थी, तभी अचानक बड़ी संख्या में लोगों ने वाहन को घेर लिया और डंडे से हमला शुरू कर दिया। इस दौरान गाड़ी का शीशा टूट गया। बाग ने आगे की सीट पर बैठी थीं और टूटे कांच से उन्हें चोट भी लगी। घटना के बाद उन्हें आरामबाग मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है, जहां पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने जाकर उनकी स्थिति की जानकारी ली। पुलिस

ने इस घटना में भाजपा से संबद्ध तीन लोगों को हिरासत में लिया है। दूसरी ओर घटना का एक वीडियो, जो सांसद ने फेसबुक लाइव के दौरान रिकार्ड किया, तेजी से प्रसारित हो रहा है। घटनास्थल पर केंद्रीय बलों की तैनाती कर दी गई है।

आरामबाग से सांसद मिताली बाग ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी प्रसांत दिगर के चुनाव कार्यालय के बाहर मौजूद लाठीधारी कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले को रोककर पत्थरबाजी की और गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। वहीं, भाजपा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पार्टी के प्रवक्ता देबजीत सरकार ने इसे तृणमूल का नाटक बताया।

❑ **जिला निर्वाचन अधिकारी की प्रारंभिक रिपोर्ट में तृणमूल के अंदरूनी विवाद की जताई गई आशंका :**

घटना के बाद चुनाव आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट तलब की। जिला निर्वाचन अधिकारी की प्रारंभिक रिपोर्ट में इस घटना के पीछे तृणमूल के अंदरूनी विवाद की आशंका जताई गई है। वहीं, इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने पुलिस को एफआइआर दर्ज कर पांच घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने मामले का संज्ञान लेते हुए सीसीटीवी फुटेज मांगा है और सांसद के फेसबुक लाइव वीडियो की भी जांच की जा रही है। दूसरी ओर जिला निर्वाचन अधिकारी की इस प्रारंभिक रिपोर्ट पर तृणमूल कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। सत्तारूढ़ दल का कहना है कि बिना ठोस सबूत के इसे अंदरूनी विवाद बताना उचित नहीं है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सच्चाई सामने लाने की कोशिश की जा रही है।

❑ **भाजपा की रैली पर बवाल, भिड़े तृणमूल-भाजपा कार्यकर्ता, कई घायल**

वहीं जिले के गोघाट के बर्मा इलाके में भाजपा उम्मीदवार प्रशांत दिगर प्रचार रैली को लेकर जबरदस्त तनाव फैल गया। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घटना के दौरान कई गाड़ियों और बाइकों में तोड़फोड़ की गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। भाजपा की आरामबाग इकाई के पूर्व अध्यक्ष बिमान घोष ने आरोप लगाया कि तृणमूल नेता संजय खान के नेतृत्व में लाठी, ईंट, लोहे की राड और हथियारों से लैस लोगों ने भाजपा समर्थकों पर हमला किया, जिसमें करीब 50 लोग घायल हुए और 20 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि, संजय खान ने इन आरोपों से इन्कार करते हुए कहा कि भाजपा इलाके में घुसकर बमबाजी की, जिसके बाद तनाव बढ़ा। वहीं, तृणमूल का दावा है कि भाजपा की रैली से उनके कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां और गाली-गलौज की गई। तृणमूल ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग अपने प्रचार वाहनों में लाठी, लोहे की राड और अन्य हथियार लेकर आए थे और उसी से हमला किया।

टीएमसी शासन में बंगाल की हालत बिगड़ी, 15 साल में कंगाली आई : योगी

कोलकाता : बंगाल में चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कभी कला, साहित्य और औद्योगिक समृद्धि के लिए पहचाने जाने वाले बंगाल को पिछले कई दशकों में लगातार कमजोर किया गया है। योगी ने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस, फिर वामपंथी दलों और बीते 15 वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य को कंगाल बना दिया है। हुगली जिले के धनियाखाली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जय श्रीराम और हर-हर महादेव के नारे से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी असहज हो जाती हैं और उन्हें अपनी सत्ता खतरे में नजर आती है। योगी ने आरोप लगाया कि राज्य में सनातन परंपराओं के पालन में बाधाएं डाली जा रही हैं, जबकि दूसरी ओर तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में घुसपैठ की वजह से जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है और लव जिहाद तथा लैंड जिहाद जैसी घटनाओं पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। योगी ने कहा कि दुर्गा पूजा और मूर्ति विसर्जन जैसे धार्मिक आयोजनों पर रोक लगाई जाती है, जबकि सड़कों पर नमाज और इफ्तार की अनुमति दी जाती है। डबल इंजन सरकार की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर धार्मिक नारों पर कोई रोक नहीं होगी, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर इफ्तार आयोजन बंद किए जाएंगे। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने राजरहाट-गोपालपुर में जनसभा को संबोधित करने के साथ नदिया के कल्याणी और दमदम में रोड शो भी किया, जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ देखने को मिली।

मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक ने पेश किए नए एविएटर 350 और 350 एल+ वेरिएंट

कोलकाता, समाज्ञा : मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक ने अपने इलेक्ट्रिक स्मॉल कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए दो नए वेरिएंट- एविएटर 350 (32 किलोवाट घंटा) और एविएटर 350 एल+ (50 किलोवाट घंटा)-लॉन्च किए हैं। कंपनी के अनुसार, ये मॉडल अलग-अलग परिवहन आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। एविएटर 350 (32 किलोवाट घंटा) को शहरी 'लास्ट माइल' डिलीवरी के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक बार चार्ज में 140 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक के मैनेजिंग डायरेक्टर जलज गुप्ता ने कहा कि यह पहल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को व्यावसायिक स्तर पर बढ़ावा देगी।

राशन आवंटन घोटाले में ईडी ने 49.3 लाख रुपये नकद जब्त किए

❑ **ईडी ने अब तक 75 करोड़ की चल-अचल संपत्ति की है अटैच**

कोलकाता : ईडी के कोलकाता जोनल कार्यालय ने बंगाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत खाद्यान्न की बड़े पैमाने पर हेराफेरी के खिलाफ पिछले दिनों की गई कार्रवाई 49.3 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। गत शनिवार को ईडी ने कोलकाता, हावड़ा और बर्दवान में कुल 11 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था। ये सभी ठिकाने कथित रूप से व्यवसायी निरंजन चंद्र साहा और उनके सहयोगियों से जुड़े हैं, जिन पर इस घोटाले में शामिल होने का आरोप है। इस कार्रवाई में 18.4 लाख नकद के साथ बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए। इससे पहले 10 अप्रैल को 17 ठिकानों पर हुई छापेमारी में 30.9 लाख बरामद हुए थे। इस तरह अब तक इस जांच में कुल 49.3 लाख नकद जब्त किए जा चुके हैं। जांच की शुरुआत बशीरहाट थाने में दर्ज एक शिकायत से हुई थी, जिसे कस्टम विभाग के डिप्टी कमिश्नर ने दर्ज कराया था।

इसमें गरीबों के लिए निर्धारित गेहूं को अवैध रूप से डायवर्ट करने का आरोप लगाया गया था। ईडी के अनुसार, जांच में एक संगठित आपराधिक नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसमें निर्यातक, थोक व्यापारी और परिवहनकर्ता शामिल हैं। ये लोग 5,000 मीट्रिक टन से अधिक गेहूं को व्यवस्थित तरीके से खुले बाजार या बांग्लादेश निर्यात के लिए मोड़ रहे थे। ईडी ने अब तक इस पूरे मामले में 75 करोड़ की चल-अचल संपत्तियां अटैच की हैं और नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें बकीबुर्र रहमान और पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक जैसे हाई-प्रोफाइल नाम शामिल हैं। एजेंसी ने विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

प्रवर्तन निदेशालय ने 28 लाख रुपये नकद और दस्तावेज जब्त किए

कोलकाता : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले कुछ दिनों में चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में दो मामलों में छापे के दौरान लगभग 28 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। ईडी ने रविवार को बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू की अगुवाई वाले एक कथित संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ धनशोधन की जांच के तहत नए सिरे से तलाश अभियान चलाया। ईडी ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'कल्याण शुक्ला और संजय कुमार कनोडिया के परिसरों की तलाशी ली गई, जिसके परिणामस्वरूप 10 लाख रुपये नकद, सोने के आभूषण, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।' बयान में ईडी ने कहा, 'जब्त किए गए दस्तावेजों से संदिग्ध व्यक्तियों और पीईपी (राजनीतिक रूप से प्रख्यात व्यक्तियों) के बीच बड़े पैमाने पर नकद लेनदेन का संकेत मिलता है।' पीईपी एक ऐसा व्यक्ति होता है जो सार्वजनिक क्षेत्र में एक प्रमुख पद पर आसीन होता है। ईडी ने इस मामले में पहले भी कई बार छापे मारे हैं। दूसरी कार्रवाई कथित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) घोटाले से संबंधित है। ईडी ने 25 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में 11 स्थानों पर छापेमारी की थी। इसमें कहा गया, 'छापे में 18.4 लाख रुपये नकद, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और धनशोधन के अपराध से संबंधित डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए।' धनशोधन का यह मामला अक्टूबर 2020 में बशीरहाट पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है, जो घोजाडांगा स्थित सीमा शुल्क उपायुक्त (भूमि सीमा शुल्क केन्द्र) की शिकायत पर आधारित थी। शिकायत में कल्याणकारी योजनाओं के लिए निर्धारित पीडीएस गेहूं के बड़े पैमाने पर गबन का आरोप लगाया गया था।

अक्षय तृतीया पर इंस्टामार्ट में सोने के ऑर्डर 49 गुना बढ़े

कोलकाता : अक्षय तृतीया के अवसर पर क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट ने सोने के ऑर्डर में 49 गुना और चांदी के ऑर्डर में 24 गुना वृद्धि दर्ज की। 19 अप्रैल को कुल मांग 45 गुना बढ़ी। प्लेटफॉर्म पर 1 ग्राम, 2 ग्राम और 0.5 ग्राम के गोल्ड कॉइन सबसे ज्यादा पसंद किए गए, जिससे किफायती खरीदारी का रुझान दिखा। कंपनी के अनुसार कुल मांग का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा प्री-बुकिंग ऑर्डर से आया, जिसमें ग्राहकों ने पहले से कीमत लॉक कराई थी। बेंगलुरु में एक ग्राहक ने करीब 1.99 लाख रुपये का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया, जिसमें 1.65 लाख रुपये के सिल्वर बार, 31,800 रुपये के गोल्ड कॉइन और ग्रॉसरी सामान शामिल थे। सबसे ज्यादा खरीदारी बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली, चेन्नई, पुणे, गुरुग्राम, कोलकाता और नोएडा से हुई।

येज़्दी और बीएसए ने लॉन्च कीं नई स्क्रैम्बलर बाइक्स

कोलकाता : क्लासिक लीजेंड्स ने भारतीय बाजार में दो नई स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिलें लॉन्च की हैं। कंपनी ने येज़्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 पेश की है। येज़्दी स्क्रैम्बलर 350 की शुरुआती कीमत 1.99 लाख रुपये रखी गई है। इसमें 350 सीसी लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह भारत की सबसे हल्की स्क्रैम्बलर बाइक है, जिसका वजन 174 किलोग्राम है। बीएसए स्क्रैम्बलर 650 की शुरुआती कीमत 3.24 लाख रुपये है। इसमें 650 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो 45 बीएचपी की ताकत और 55 एनएम टॉर्क देता है। कंपनी के अनुसार यह मॉडल क्लासिक ब्रिटिश डिजाइन और आधुनिक तकनीक का मिश्रण है। कंपनी का कहना है कि स्क्रैम्बलर बाइक्स शहर, हाईवे और खराब रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार की गई हैं। दोनों मॉडल कई रंग विकल्पों में उपलब्ध होंगे।

चुनाव से पहले केंद्र का बड़ा फैसला, बंगाल के डीजीपी सिद्धिनाथ गुप्ता का कार्यकाल छह महीने बढ़ा

❑ **कार्यकाल 30 अप्रैल को समाप्त होने वाला था, केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश पर बढ़ाई गई अवधि**

कोलकाता : दूसरे चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले केंद्र सरकार ने एक अहम प्रशासनिक फैसला लिया है। राज्य पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) सिद्धिनाथ गुप्ता के कार्यकाल को छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। उनका कार्यकाल 30 अप्रैल को समाप्त होने वाला था, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश पर इस अवधि को आगे बढ़ाया गया। सोमवार को जारी आधिकारिक निर्देश के अनुसार, सिद्धिनाथ गुप्ता अगले छह महीने तक अपने पद पर बने रहेंगे।

चुनावी माहौल के बीच इस फैसले को प्रशासनिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि 1992 बैच के आइपीएस अधिकारी सिद्धिनाथ गुप्ता को इसी साल मार्च के मध्य में राज्य का डीजीपी नियुक्त किया गया था। उस समय चुनाव आयोग ने तत्कालीन डीजीपी पीयूष पांडे को हटाकर उनकी जगह गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी थी।

चुनावी प्रक्रिया के दौरान पुलिस और प्रशासन में बड़े स्तर पर फेरबदल भी किया गया था। इससे पहले राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति के बाद पीयूष पांडे कार्यवाहक डीजीपी के तौर पर जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सिद्धिनाथ गुप्ता लंबे समय से राज्य पुलिस के शीर्ष पदों पर कार्य कर चुके हैं। वे स्टेट क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के महानिदेशक और इंटेलिजेंस ब्रांच में भी अहम जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

पूर्व रेलवे के अरन्यक घोष बने भारत के नए शतरंज ग्रैंडमास्टर

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के लिए गर्व का क्षण सामने आया है, जहां उसके कर्मचारी अरन्यक घोष ने शतरंज की दुनिया में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करते हुए ग्रैंडमास्टर का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ अरन्यक घोष भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर और पश्चिम बंगाल के 12वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। पूर्व रेलवे मुख्यालय से जारी जानकारी के अनुसार, अरन्यक घोष की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, रणनीतिक सोच और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने गोवा में आयोजित एफआईडीई वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे दौर में जगह बनाई, जबकि जबलपुर में आयोजित ऑल इंडिया रेलवे इंडिविजुअल शतरंज चैंपियनशिप 2024 में चैंपियन बनकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके अलावा, 60वीं नेशनल

सीनियर शतरंज चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के साथ उन्होंने 2555 की प्रभावशाली एफआईडीई रेटिंग हासिल की। वर्तमान में वे भारत में 31वें और विश्व में 401वें स्थान पर काबिज हैं। इस उपलब्धि पर पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे रेलवे परिवार के लिए गर्व का क्षण है और यह अन्य लोगों को भी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देगा। वहीं, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिब्राम माझी ने इसे कड़ी मेहनत और समर्पण की मिसाल बताया। पूर्व रेलवे ने अरन्यक घोष की इस ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं और उम्मीद जताई है कि वे आगे भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और रेलवे का नाम रोशन करते रहेंगे।

हावड़ा-नई दिल्ली रूट पर कवच 4.0, यात्रियों की सुरक्षा को मिली नई ताकत

कोलकाता, समाज्ञा

पूर्व रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तकनीकी क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हावड़ा से छोटा अंबाना तक वर्दवान रूट के 260 किमी लंबे हिस्से पर अत्याधुनिक कवच 4.0 प्रणाली को पूरी तरह लागू कर दिया गया है। यह स्वदेशी तकनीक एक डिजिटल सुरक्षा कवच के रूप में काम करती है, जो पूरे सफर के दौरान ट्रेन की हर गतिविधि पर नजर रखते हुए संभावित दुर्घटनाओं को टालने में अहम भूमिका निभाती है। यह प्रणाली ट्रेन की गति और सिग्नल पर लगातार निगरानी रखती है। यदि किसी कारणवश ट्रेन निर्धारित गति से अधिक चलती है या ड्राइवर सिग्नल को नजरअंदाज करता है, तो कवच स्वतः ब्रेक लगाकर स्थिति को नियंत्रित कर लेता है। यह तकनीक विशेष रूप से आमने-सामने या पीछे से टक्कर जैसी गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विकसित की गई है।

इसके अलावा, खराब मौसम जैसे घना कोहरा या भारी बारिश होने पर भी यह प्रणाली ड्राइवर को इंजन के भीतर ही रियल-टाइम सिग्नल उपलब्ध कराती है, जिससे ट्रेन संचालन सुरक्षित बना रहता है। लेवल क्रॉसिंग के पास पहुंचने पर यह स्वतः ट्रेन की सीटी बजाकर आसपास के लोगों को सतर्क करता है, वहीं आपात स्थिति में एसओएस बटन के जरिए आसपास की ट्रेनों को भी अलर्ट किया जा सकता है। हावड़ा-नई दिल्ली मार्ग का यह हिस्सा काफी व्यस्त माना जाता है और इस रूट पर पहले ही 120 इंजनों में इस प्रणाली को लगाया जा चुका है। इससे न केवल यात्रा की सुरक्षा बढ़ी है, बल्कि ट्रेन संचालन भी अधिक सुचारु हुआ है, जिससे अचानक रुकने और झटकों की समस्या में कमी आई है।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने इस उपलब्धि को यात्रियों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि कवच 4.0 के जरिए रेलवे 'जीरो कोलिजन' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है और यह तकनीक यात्रियों को सुरक्षित व निश्चिंत यात्रा का अनुभव प्रदान कर रही है।

उदयपुर-आसनसोल और डानकुनी-आनंद विहार के बीच चलेंगी समर स्पेशल ट्रेनें

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे ने गर्मी के मौसम में बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए विशेष व्यवस्था करते हुए दो समर स्पेशल ट्रेनों को चलाने का फैसला किया है। जानकारी के अनुसार, इन ट्रेनों का संचालन अलग-अलग दिशाओं में किया जाएगा ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। इसके तहत, 09623 उदयपुर सिटी-आसनसोल स्पेशल ट्रेन 28 अप्रैल 2026 को रात 22:30 बजे उदयपुर सिटी से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 07:15 बजे आसनसोल पहुंचेगी। वहीं, 09624 आसनसोल-उदयपुर सिटी स्पेशल ट्रेन 30 अप्रैल 2026 को सुबह 09:00 बजे आसनसोल से चलेगी और अगले दिन 14:30 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सीतारामपुर स्टेशन पर ठहरेगी और इसमें सामान्य द्वितीय श्रेणी, स्लीपर तथा वातानुकूलित कोच उपलब्ध होंगे।

इसके अलावा, 03009 डानकुनी-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन 9 मई से 27 जून 2026 तक (23 मई को छोड़कर) हर शनिवार रात 00:30 बजे डानकुनी से चलेगी और अगले दिन 11:00 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वहीं, 03010 आनंद विहार टर्मिनल-डानकुनी स्पेशल 10 मई से 28 जून 2026 तक (24 मई को छोड़कर) हर रविवार दोपहर 15:00 बजे रवाना होकर अगले दिन 23:30 बजे डानकुनी पहुंचेगी। यह ट्रेन वर्दवान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

संकल्प पत्र में जमीनी मुद्दे, स्कूल से लेकर अतिक्रमण तक फोकस : रितेश तिवारी

कोलकाता : कोलकाता के काशीपुर-बेलगछिया विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज हो चुकी है। इस सीट से भारतीय जनता पार्टी ने रितेश तिवारी को अपना प्रत्याशी बनाया है, जो इन दिनों क्षेत्र में सक्रिय प्रचार कर रहे हैं। खुद को इस क्षेत्र का भूमि पुत्र बताने वाले रितेश तिवारी स्थानीय मुद्दों और बुनियादी सुविधाओं को लेकर जनता के बीच पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि वे क्षेत्र की समस्याओं को करीब से समझते हैं और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करना चाहते हैं। शिक्षा, सड़क, जल व्यवस्था और अतिक्रमण जैसे मुद्दों को लेकर उन्होंने अपने संकल्प पत्र में कई वादे किए हैं। इन्हीं तमाम मुद्दों और चुनावी रणनीति को लेकर रितेश तिवारी से हमारी खास बातचीत हुई।

❑ **सवाल: आपके क्षेत्र में कौन-कौन सी मूलभूत समस्याएं हैं, जिन्हें आप जीतने के बाद सबसे पहले हल करना चाहेंगे?**

जवाब: हमारी विधानसभा में पहले एक वीआईपी विधायक रहे हैं, जो कोलकाता कॉर्पोरेशन में डिप्टी मेयर भी थे। अगर वे चाहते तो क्षेत्र को विकास के रास्ते पर ले जा सकते थे, लेकिन उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। आज स्थिति यह है कि काउंसिलर के काम गिनाए जा रहे हैं, जबकि विधायक को अपने फंड से किए गए कामों का हिसाब देना चाहिए था। उनके संकल्प पत्र में भी विधायक के कामों का जिक्र है, जिससे साफ है कि अपेक्षित काम नहीं हुआ। क्षेत्र में सौंदर्यीकरण पर ध्यान नहीं दिया गया, बल्कि तालाब में मिट्टी डालकर निर्माण कार्य किया गया, जो अब कोर्ट में है। हमारे यहां कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है। कुछ प्राइमरी स्कूलों में महिला शिक्षकों को बाथरूम के लिए आसपास के घरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे कई मुद्दों को हमने अपने संकल्प पत्र में शामिल किया है।

❑ **सवाल: ऐसी कौन-सी दो खास बातें हैं जो आपको अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी से अलग बनाती हैं?**

जवाब: मैं इस क्षेत्र का भूमि पुत्र हूं। मेरा जन्म काशीपुर बेलगछिया विधानसभा के 6 नंबर वार्ड के घोष बागान में हुआ और वहीं मेरा पालन-पोषण हुआ। मैं एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आता हूं। मैं इस क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या से वाकिफ हूं। मैं कोई नया चेहरा नहीं हूं, मेरी पहचान घर-घर तक है और लोग मुझसे सीधे जुड़ सकते हैं।

❑ **सवाल: विधायक बनने के बाद आप किन दो मुद्दों पर सबसे ज्यादा फोकस करेंगे?**

जवाब: हम किसी जाति विशेष के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लगभग 1 लाख 79 हजार वोटरों के लिए काम करेंगे। हमारा सबसे बड़ा फोकस शिक्षा पर होगा। स्कूलों की स्थिति सुधारना, खासकर बालिका विद्यालयों की कमी को दूर करना हमारी प्राथमिकता होगी, चाहे वह हिंदी मीडियम हो या बंगाली मीडियम। इसके साथ ही हम क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे और पेयजल की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

❑ **सवाल: क्षेत्र में सड़क व्यवस्था को लेकर भी लोगों में नाराजगी है, इस पर आपका क्या कहना है?**

जवाब: सड़क व्यवस्था एक बुनियादी मुद्दा है और यह हमारे संकल्प पत्र में शामिल है। इस पर काम करना हमारी प्राथमिकता होगी। अगर पहले विधायक चाहते तो इस दिशा में काफी विकास हो सकता था।

❑ **सवाल: जनता आपको ही क्यों चुने?**

जवाब: हम जनता से सिर्फ एक मौका चाहते हैं सेवा का। यहां का ही बेटा अगर यहां रहकर काम करेगा, तो लोगों से सीधा जुड़ाव रहेगा। हमसे जनता सीधे संपर्क कर सकती है और हम उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने का प्रयास करेंगे।

हावड़ा मंडल के तहत विकास संबंधी कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

बाँशबेड़िया में रोड ओवरब्रिज के कार्य के लिए, हावड़ा मंडल के तहत बाँशबेड़िया और त्रिबेणी स्टेशनों के बीच **दिनांक 30.04.2026 (बृहस्पतिवार) से 09.05.2026 (शनिवार) तक 10 दिनों के लिए 03 घंटे का पावर और ट्रैफिक ब्लॉक** आवश्यक होगा। ब्लॉक का विवरण एवं इस ब्लॉक के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था निम्नानुसार होगी:

दिनांक 30.04.2026 (बृहस्पतिवार) से 04.05.2026 (सोमवार) तक
ब्लॉक लाइन: डाउन लाइन, ब्लॉक समय: 13.45 बजे से 16.45 बजे तक

- **पुनर्निर्धारण और नियंत्रण: (1) 37748 कटवा-बैण्डेल लोकल ट्रेन** कटवा से 13.00 बजे के बदले 13.50 बजे पुनर्निर्धारित की जाएगी और मार्ग में 70 मिनट के लिए सुविधानुसार नियंत्रित की जाएगी। **(2) 03024 कटवा-बैण्डेल ईएमयू स्पेशल ट्रेन** केवल दिनांक 30.04.2026 (बृहस्पतिवार) को कटवा से 13.45 बजे के बदले 14.45 बजे पुनर्निर्धारित की जाएगी और मार्ग में 15 मिनट के लिए सुविधानुसार नियंत्रित की जाएगी।
- **नियंत्रण: 37924 कटवा-हावड़ा गैलोपिंग लोकल** मार्ग में 15 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी।

ब्लॉक से पहले अंतिम ट्रेन: 37746 और **ब्लॉक के बाद पहली ट्रेन:** 37748

दिनांक 05.05.2026 (मंगलवार) से 09.05.2026 (शनिवार) तक
ब्लॉक लाइन: अप लाइन, ब्लॉक समय: 01.00 बजे से 04.00 बजे तक

- **पुनर्निर्धारण : 37741 बैण्डेल-कटवा लोकल ट्रेन** बैण्डेल से 03.05 बजे के बदले 04.05 बजे पुनर्निर्धारित की जाएगी।

ब्लॉक से पहले अंतिम ट्रेन: 13033 और **ब्लॉक के बाद पहली ट्रेन:** 37741

यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक , हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

डानकुनी-आनंद विहार (टी)-डानकुनी स्पेशल ट्रेन

ग्रीष्मकालीन मौसम के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **03009/03010 डानकुनी-आनंद विहार (टी)-डानकुनी स्पेशल ट्रेन** नीचे उल्लेखित संक्षिप्त समय-सूची, ठहराव, यात्रा के दिन तथा गठन के अनुसार चलाई जाएगी:-

डानकुनी-आनंद विहार (टी)			03009 03010	आनंद विहार(टी)-डानकुनी		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
शनिवार	-	00.30	↓डानकुनी जंक्शन	23.30	-	सोमवार
	03.00	03.05	आसनसोल जंक्शन	19.50	19.55	
	04.58	05.00	जसीडीह जंक्शन	17.50	17.52	
	07.40	07.42	किऊल जंक्शन	14.30	14.32	
	17.40	17.45	प्रयागराज जंक्शन	03.00	03.05	
रविवार	11.00	-	आनंद विहार (टी) ↑	-	15.00	रविवार

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान मार्ग में दोनों दिशाओं में बर्द्धमान जंक्शन, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर जंक्शन, झाझा, शेखपुरा जंक्शन, नवादा, तिलैया जंक्शन, गया जंक्शन, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम जंक्शन, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिर्जापुर, गोविंदपुरी, इटावा जंक्शन एवं टूण्डला जंक्शन स्टेशनों में भी ठहरेगी। **यात्रा की तिथियां/दिन: डानकुनी से - 03009** दिनांक 09.05, 16.05, 30.05.2026, 06.06, 13.06, 20.06 एवं 27.06.2026 (शनिवार) एवं **आनंद विहार (टी) से - 03010** दिनांक 10.05, 17.05, 31.05.2026, 07.06, 14.06, 21.06 एवं 28.06.2026 (रविवार) = प्रत्येक 7 ट्रिप। **गठन:** वातानुकूलित 2-टीयर- 1, वातानुकूलित 3-टीयर- 3, शयनयान श्रेणी - 10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) - 6, एसएलआरडी- 2 = 22 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस। **वि.द्र.** : 03009 डानकुनी-आनंद विहार (टी) स्पेशल ट्रेन दिनांक 23.05.2026 (जेसीओ) तथा 03010 आनंद विहार (टी)-डानकुनी स्पेशल ट्रेन दिनांक 24.05.2026 (जेसीओ) को यात्रा नहीं करेंगी।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/08 दिनांक: 24.04.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, (नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, चौथी मंजिल, रेल संग्रहालय के नज़दीक, पूर्व रेलवे, हावड़ा) द्वारा हावड़ा मंडल में तीन (3) वर्षों की अवधि के लिए स्टेशन परिसर तथा सर्कुलेटिंग एरिया में वाणिज्यिक प्रचार अधिकार का ठेका प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटेलॉग संख्या : पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-08। नीलामी शुरू होने की तारीख और समय:** 08.05.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **क्रम संख्या; एसईक्यू.संख्या; लॉट संख्या** एवं **विवरण** निम्नानुसार हैं: **1; एए/1; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-156-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं कटवा स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **2 ; एए/2; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं नबद्वीपधाम स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **3; एए/3; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं डानकुनी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **4; एए/4; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेड-ओएच-163-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं आजिमगंज स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **5; एए/5; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एएमबीजी-ओएच-160-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं आरामबाग स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर 50:50 समय साझाकरण के आधार पर रेलवे स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वाल के जरिये रेलवे सूचना एवं विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **6; एए/6; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-10-25-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं कटवा रेलवे स्टेशन के नज़दीक रेलवे कॉलोनी में वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अधिकार प्रदान करना। **7 ; एए/7; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएच-142-26-1** (एडवरटाइजिंग-आउट ऑफ़ होम) एवं हावड़ा रेलवे स्टेशन पर मॉनूमेन्टल फ्लैग एरिया के सामने 04 (चार) ग्लोबल टावर्स की स्थापना एवं रखरखाव के जरिये वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अनुबंध प्रदान करना।

(HWH-35/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

झारखंड: जमशेदपुर में अज्ञात हमलावरों ने लोको पायलट की गोली मारकर हत्या की

जमशेदपुर: झारखंड के जमशेदपुर में टाटानगर स्टेशन के पास अज्ञात हमलावरों ने एक लोको पायलट की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जी.के. गौतम को रात करीब 12:30 बजे दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने करीब से गोली मार दी। अधिकारी ने बताया कि बिहार के रहने वाले लोको पायलट को पास के रेलवे अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। एसपी (शहर) ललित मीणा ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से खाली कारतूस बरामद किए हैं और दोषियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। मीणा ने बताया कि प्रारंभिक जांच से जमीन विवाद के कारण हत्या होने की आशंका है, हालांकि सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। एसपी ने कहा, हम मामले की हर पहलू से जांच कर रहे हैं।

नेपाल सीमा पर विशेष चौकसी के लिए बनाई गई संयुक्त टीम, 146 आरोपी गिरफ्तार

पटना: बिहार से लगने वाला भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र को सुरक्षित बनाए रखने तथा विभिन्न गैर-कानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष संयुक्त टीम का गठन किया गया है। यह जानकारी पुलिस अधिकारी ने सोमवार को दी। इस टीम में बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) तथा स्थानीय थानों के चुनिंदा पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का सकारात्मक प्रभाव भी दिखने लगा है। पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नीरज कुमार सिंह ने कहा ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से 22 अप्रैल तक विभिन्न गैर-कानूनी गतिविधियों में संलिप्त 146 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि फिलहाल सीमा क्षेत्र में ऐसी चार इकाइयों का गठन किया गया है, जिनमें तीनों एजेंसियों के कुल 40 कर्मियों को तैनात किया गया है। वर्तमान में यह टीम सीमावर्ती 13 अनुमंडलों और 69 थानों के क्षेत्रों में विशेष निगरानी रख रही है। अधिकारी ने बताया कि नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों, जाली नोटों की तस्करी तथा अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ अब तक 128 मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

यूपी में नित नयी ऊंचाइयां छू रहा तापमान, बांदा में टूटा रिकॉर्ड, रहा देश का सबसे गर्म स्थान

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के कारण अनेक इलाकों में तापमान नित नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। झुलसाने वाली धूप और लू से लोग बेहाल हैं और पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य का बांदा जिला प्रदेश ही नहीं बल्कि देश का भी सबसे गर्म स्थान रहा। मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि बांदा देश का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 5.4 डिग्री अधिक है। विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक बांदा में दर्ज 47.6 डिग्री सेल्सियस तापमान अप्रैल महीने में अब तक का सबसे ज़्यादा तापमान है और इसने 30 अप्रैल 2022 और 25 अप्रैल 2026 को दर्ज किये गये अपने पिछले कीर्तिमान (47.4 डिग्री सेल्सियस) को भी पीछे छोड़ दिया है। बांदा के अलावा झांसी भी (45.2 डिग्री सेल्सियस) भी उन शहरों की सूची में शामिल रहा जहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। मौसम विभाग ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि बुंदेलखंड क्षेत्र में झांसी, उरई और बांदा में भीषण लू का भी प्रकोप रहा। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी लखनऊ में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 0.8 डिग्री ज़्यादा) और न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 1.7 डिग्री ज़्यादा) दर्ज किया गया। रिपोर्ट के अनुसार आगरा में 44.4 डिग्री सेल्सियस और प्रयागराज, हमीरपुर और उरई में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक अगले 24 घंटों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग स्थानों पर बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफ़ान आने की प्रबल संभावना है। भीषण गर्मी की वजह से जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है और लोग दोपहर में तपिश के बीच घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। दिन में सड़कें आमतौर पर सूनी नजर आ रही हैं। प्रदेश में बढ़ते तापमान और लू के बढ़ते खतरे को देखते हुए सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्कूलों में लू से बचाव के उपाय, समय-बद्ध गतिविधियां और स्वास्थ्य सुरक्षा दिशानिर्देश लागू किए गए हैं।

राजस्थान के कई हिस्से लू की चपेट में, जैसलमेर में तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस

जयपुर: राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी रहने के बीच सोमवार को जैसलमेर में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के कई हिस्से लू की चपेट में रहे। बाड़मेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कोटा और वनस्थली में 45.7 डिग्री, फलोदी और चित्तौड़गढ़ में 45.4 डिग्री, चूरू में 45.3 डिग्री, जबकि पिलानी और बीकानेर में 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि मुख्य शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया वहीं, न्यूनतम तापमान 22 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश का दो दिवसीय दौरा 28 अप्रैल से

लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार 28 अप्रैल से उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। आधिकारिक कार्यक्रम के मुताबिक प्रधानमंत्री 28 अप्रैल को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में आयोजित होने वाले 'महिला सम्मेलन' में हिस्सा लेंगे और लगभग 6350 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक मोदी 1050 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पूरी हुई 48 से अधिक परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे जिनमें वाराणसी-आजमगढ़ सड़क का चौड़ीकरण, कज्जाकपुरा और कादीपुर में महत्वपूर्ण रेल ओवर ब्रिज और भगवानपुर में 55 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में रेल कनेक्टिविटी को और बढ़ावा देने के लिये दो नई 'अमृत भारत एक्सप्रेस' ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि ये ट्रेनें राज्य के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों को महाराष्ट्र के बड़े आर्थिक केंद्रों से जोड़ेंगी।

गोरखपुर में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से कार टकरायी, तीन युवकों की मौत

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के गोला क्षेत्र में एक कार के गेहूं से लदी खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराने की घटना में उस पर तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि गोला थाना क्षेत्र के कोहरी बुजुर्ग गांव में रविवार देर रात गोला थाना क्षेत्र में बड़हलगंज से गोला की ओर जा रही एक कार सड़क किनारे गेहूं से लदी खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकरायी। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा ट्रॉली में बुरी तरह फंस गया, जिससे अंदर बैठे लोग उसी में फंसकर रह गए। सूत्रों ने बताया कि एयरबैग खुलने के बावजूद गाड़ी का ढांचा बुरी तरह पिचककर उन पर गिर जाने के कारण वे लोग अंदर ही फंसे रहे। उन्होंने बताया कि जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मलबे में फंसे लोगों को मशीन के जरिये बाहर निकाला गया लेकिन तब तक कार चालक कुणाल यादव (20) और उनके बगल में बैठे अमन उर्फ अजय यादव (21) की मौत हो चुकी थी। सूत्रों ने बताया कि पीछे की सीट पर बैठे अंकुर उर्फ प्रसून यादव (22) ने गोरखपुर स्थित एम्स ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। परिजन के अनुसार, कुणाल इंटरमीडिएट का छात्र था और अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था, जबकि अमन और अंकुर किसान परिवारों से ताल्लुक रखते थे। कार के मालिक पुष्कर यादव ने बताया कि अंकुर ने रात करीब आठ बजे अपने पिता की तबीयत खराब होने का हवाला देकर गाड़ी उधार ली थी। थाना प्रभारी राकेश रोशन सिंह ने बताया कि अब तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। दोनों गाड़ियों को ज़ब्त कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

राजग सरकार ने बिहार की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया: तेजस्वी यादव

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है और झूठे वादों के जरिए उनकी भावनाओं का फायदा उठाया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने यहां जारी एक बयान में कहा कि विधानसभा चुनाव में हार की आशंका होते ही राजग सरकार ने मतदान के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए महिलाओं और जीविका दीदियों के बैंक खातों में 10 हजार रुपये भेजे। उन्होंने आरोप लगाया कि लाभार्थियों को डराया-धमकाकर कहा गया कि मतदान केंद्रों पर कैमरे लगे हैं तथा यदि एक विशेष पार्टी के पक्ष में मतदान नहीं किया गया तो खातों में भेजी गई राशि वापस ले ली जाएगी। यादव ने कहा कि महिलाओं को यह भी आश्वासन दिया गया था कि चुनाव के बाद दो लाख रुपये की अगली किश्त छह महीने में उनके खातों में भेज दी जाएगी, लेकिन अब छह महीने बीत जाने के बाद भी ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद इस योजना में पहले से पंजीकृत 18 लाख महिलाओं को पहली किश्त नहीं मिली, जबकि 1 करोड़ 81 लाख जीविका दीदियों और अन्य महिलाओं को दूसरी किश्त भी नहीं दी गई। राजद नेता ने आरोप लगाया कि केवल चुनावी लाभ लेने के लिए राजग ने बिहार की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की है तथा उनके परिवारों के वर्तमान व भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति खराब हो चुकी है और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा कृषि जैसे क्षेत्रों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यादव ने आरोप लगाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद चुनावी लाभ के लिए उधार लेकर विभिन्न मदों में 41,000 करोड़ रुपये नकद बांटना राज्य के हित के खिलाफ था।

जयपुर रेंज पुलिस का प्रयोग: क्यूआर कोड स्कैन कर जान सकते हैं दुर्घटना संभावित स्थान

जयपुर: जयपुर रेंज में बढ़ते सड़क हादसों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस ने एक नई डिजिटल पहल की शुरुआत करते हुये एक विशेष क्यूआर कार्ड जारी किया है जिसे स्कैन कर दुर्घटना संभावित स्थलों की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश ने बताया कि यह पहल सड़क सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल वाहन चालकों को पहले से सतर्क रहने में मदद मिलेगी, बल्कि हादसों में कमी लाने का लक्ष्य भी पूरा किया जा सकेगा। अधिकारी ने बताया कि वाहन चालकों को ब्लैक स्पॉट पर सतर्कता बरतने, यातायात संकेतों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से पहनने, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करने जैसे सुझाव भी जारी किए गए हैं।

न्यूज अपडेट

दिल्ली से भेजा गया हर रुपया गरीब तक पूरा पहुंच रहा: नितिन नवीन

जयपुर: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार का ग्रामीण विकास, वित्तीय समावेशन और कृषि सुधारों पर जोर गांवों को सशक्त बना रहा है। ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम-2026) के लिए हरी झंडी दिखा कर ग्राम रथ रवाना करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि जनधन खातों ने यह सुनिश्चित किया है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा, दिल्ली से भेजा गया हर रुपया गरीब तक पूरा पहुंच रहा है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आई पारदर्शिता को दर्शाता है। राजस्थान के प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य ने कृषि, सिंचाई और ग्रामीण विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में तेजी से प्रगति की है। पशु चिकित्सा ढांचे का विस्तार एवं स्वयं सहायता समूहों की मजबूती से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिला है। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'स्किल इंडिया' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज युवा नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनते जा रहे हैं।

शहरी विकास से जुड़ी योजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए : मुख्यमंत्री

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को शहरी विकास से जुड़ी योजनाओं को शीघ्र पूरा करने तथा स्वच्छता एवं जलापूर्ति पर विशेष ध्यान निर्देश अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित समीक्षा बैठक में सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पात्र लाभार्थियों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराया जाए, ताकि शहरी क्षेत्रों में बेघर परिवारों को पक्के मकान मिल सकें। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पीपीपी मॉडल अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे कचरे का बेहतर प्रबंधन और इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके साथ ही, सीवरेज शोधन संयंत्रों को पूरी तरह संचालित रखने और गंगा नदी के किनारे निर्माणाधीन संयंत्रों का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत लगाए गए सभी लाइट के लिए एक प्रभावी निगरानी प्रणाली विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में सीसीटीवी लगाने के भी निर्देश दिये। बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत समेत विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव, सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार के 13 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, कई इलाकों में लू का प्रकोप जारी

पटना: बिहार के दक्षिण-पश्चिम हिस्सों में जारी भीषण गर्मी के दौर के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 13 जिलों में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का सोमवार को 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार कुछ जिलों में बारिश भी हुई हैं। इसने बताया कि 13 जिलों में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, आकाशीय बिजली गिरने तथा ओलावृष्टि के आसार हैं। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर बिहार के किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और सुपौल जिलों में अगले 48 घंटे में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का अनुमान है। वहीं, इसके विपरीत राज्य के 25 अन्य जिलों, खास तौर पर दक्षिण-पश्चिम के हिस्सों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। रोहतास जिले के डेहरी में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। राज्य के आठ जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। भोजपुर जिले में गर्मी के कारण एक महिला की मौत की भी सूचना है। आईएमडी के अनुसार दक्षिण बिहार में अगले दो से तीन दिन तक गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं और भीषण गर्मी का दौर जारी रह सकता है।

व्रत - त्यौहार

29.04.2026 : प्रदोष व्रत
30.04.2026 : श्रीनृसिंह चर्तुदशी व्रत
01.05.2026 : बुद्ध जयंती
श्रमिक दिवस

कब रखा जाएगा वट अमावस्या व्रत?

सनातन परंपरा में ज्येष्ठ माह का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है और इसी माह की अमावस्या तिथि पर वट सावित्री व्रत रखा जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के लिए बेहद अहम होता है, जो अपने पति की लंबी आयु, सुखी दांपत्य जीवन और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ इसे श्रद्धा भाव से करती हैं। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा का खास विधान है, जिसे अमरत्व और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि विधि-विधान से व्रत और पूजा करने से वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है। ऐसे में आइए जानते हैं इस वर्ष वट सावित्री व्रत की सही तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा की संपूर्ण विधि।

वट सावित्री व्रत तिथि

ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि आरम्भ: 16 मई , प्रातः 05:11 मिनट पर
ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि समाप्त: 17 मई, रात्रि 01:30 मिनट पर
उदया तिथि के अनुसार, 16 मई 2026 को वट सावित्री व्रत रखा जाएगा।

वट सावित्री व्रत शुभ मुहूर्त

वट सावित्री व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त: प्रातः 04:07 मिनट से 04:48 मिनट तक
विजय मुहूर्त: दोपहर 02:04 मिनट से 03:28 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त: सायं 07:04 मिनट से लेकर 07:25 मिनट तक
निशिता मुहूर्त: रात्रि 11:57 मिनट से रात्रि 12:38 मिनट तक

वट सावित्री व्रत पूजा विधि

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें, फिर मन ही मन व्रत का संकल्प लें।
- पूजा के लिए बांस की दो टोकरी तैयार करें और उनमें सप्तधान्य भरें।
- एक टोकरी में ब्रह्मा जी और सावित्री माता की प्रतिमा स्थापित करें।
- दूसरी टोकरी में सत्यवान और सावित्री की प्रतिमा रखें।
- माता सावित्री को श्रृंगार सामग्री अर्पित करें और विधि-विधान से पूजन करें।
- सावित्री माता के मंत्रों का जाप करते हुए अर्घ्य अर्पित करें।
- इसके बाद वट वृक्ष (बरगद) की पूजा करें और जड़ों में जल चढ़ाएं।
- पेड़ की परिक्रमा करें और साथ ही तने पर कच्चा सूत लपेटते जाएं।
- 7, 28 या 108 बार परिक्रमा करना शुभ माना जाता है।
- वट वृक्ष के नीचे बैठकर व्रत कथा सुनें या सुनाएं।
- अंत में पति की लंबी आयु, सुख-शांति और समृद्धि के लिए माता सावित्री से प्रार्थना करें।

मृत्यु का विधान

चन्द्र प्रभा सूद

मृत्यु एक अटल सत्य है। यह विधि का एक कठोर विधान है। इसमें किसी भी जीव को छूट नहीं मिल सकती। इस चराचर जगत में जिस भी जीव का जन्म होता है, चाहे वह मनुष्य हो, पशु-पक्षी हो अथवा पेड़-पौधे हों, उनकी मृत्यु अवश्यम्भावी है। हर जीव अपने कृत कर्मों के अनुसार निश्चित समय के लिए इस संसार में आता है। मनुष्य स्वयं चाहे अथवा न चाहे परन्तु समयावधि पूर्ण होने के पश्चात उसे इस दुनिया से विदा लेनी ही पड़ती है। इसमें उसकी राय नहीं पूछी जाती और न ही उसकी कोई आवश्यकता नहीं होती।

उसके इहलोक के प्रस्थान के समय उसके निकटस्थ सम्बन्धी, परिवारी जन, बन्धु-बान्धव रोते-बिलखते रह जाते हैं और वह दूसरे लोक की यात्रा के लिए निपट अकेले ही प्रस्थान कर जाता है। अपने किसी भी प्रिय व्यक्ति को साथ लेकर जाने की अनुमति उसे ईश्वर की ओर से नहीं मिलती। इसीलिए कहते हैं कि मनुष्य इस संसार में अकेला आता है और अकेले ही यहाँ से विदा लेकर चला जाता है। वह अपनी सारी धन-दौलत और अपने महल-चौबारे इसी धरती पर छोड़कर खाली हाथ मुट्ठी बाँधे चला जाता है।

प्राण जब इस शरीर का त्याग कर देते हैं तब जीव की आँखें सदा के लिए मुँद जाती हैं। उस समय सभी भौतिक रिश्ते-नाते इसी संसार में छूट जाते हैं। कोई भी सम्बन्धी उसका अपना नहीं रह जाता और न ही वह भी किसी का नहीं रहता है। जिन परिवारी जनों के लिए वह अपना सारा जीवन स्याह-सफेद कार्य करता रहता है, वे सभी भाई-बन्धु केवल जीते जी की माया होते हैं और सिर्फ श्मशान तक ही वे उसका साथ निभाते हैं। उसके पश्चात की यात्रा जीव को स्वयं अकेले ही तय करनी होती है। वहाँ उसका कोई साथी नहीं होता।

मनुष्य का जब जन्म होता है तब उसका कोई नाम नहीं होता। जब वह इस संसार को छोड़कर जाता है तब उसके पास नाम तो होता है पर शरीर दगा दे जाता है। अब हमें यहाँ यह भी विचार करना है कि क्या सिर्फ साँसे बन्द होने से ही कोई मुर्दा हो जाता है जिसे अपने प्रियजन भी कुछ समय के लिए अपने घर रखने के लिए तैयार नहीं होते। बस शीघ्र ही उसे घर से निकाल देने के लिए उत्सुक रहते हैं। यही रह जाती है बस मनुष्य के जीवन की कहानी।

यह चिरन्तन सत्य है कि श्वासों की डोर थमने या टूट जाने से जीव मृत हो जाता है। उसे हम आम बोलचाल में शव या मुर्दा कहते हैं। फिर उस शव को उसी के ही परिवारी जन और बन्धु-बान्धव जुलूस बनाकर, श्मशान में ले जाकर अग्नि के सुपुर्द कर देते हैं। उसके जल जाने की थोड़ी-सी प्रतीक्षा किए बिना ही अपने-अपने घरों को लौट आते हैं। यदि अधिक समय तक उसे रखा जाए तो उस मृत शरीर से दुर्गन्ध आने लगती है जो बिमारी का कारण बन जाती है।

यह भी सत्य है कि जब मनुष्य से उसकी इन्सानियत निकल जाती है या फिर उसकी आँखों का पानी मर जाता है, उस समय भी वह मृतप्राय होता है। मनुष्य के लिए यही आवश्यक है कि सबसे पहले वह एक अच्छा इन्सान बने। एक मनुष्य में सबसे पहले मानवोचित गुणों का होना जरूरी है। उन गुणों के बिना इस मनुष्य को राक्षस या हैवान कहते हैं। ये दुष्ट प्रकृति के लोग मनुष्यता के नाम पर कलंक होते हैं, जो इन्सानियत की कब्र खोदते हैं। इन्हें न तो घर-परिवार में स्थान मिलता है और न ही देश-समाज में। नैतिक, धार्मिक और सामाजिक नियमों के विरुद्ध चलने वाले ये लोग देश, धर्म और समाज के शत्रु कहलाते हैं।

इसलिए ये लोग न्याय व्यवस्था के साथ आँखमिचौली खेलते हुए, अन्ततः कानून की बेड़ियों में जकड़कर सलाखों के पीछे जीवन व्यतीत करने के लिए विवश हो जाते है। किसी भी व्यक्ति के जीवित रहते हुए उसे मिलने वाली यह एक ऐसी मृत्यु होती है जो स्वयं उसके लिए और उसके अपनों के लिए बहुत कष्टकारी होती है। वह व्यक्ति तो दुष्कर्म कर लेता है परन्तु उसके बन्धु-बान्धवों को भी दारुण कष्ट भोगना पड़ता है और समाज में अपमानित होना पड़ता है।

वैसे तो जरा-सा कष्ट आने पर हम सब लोग मृत्यु को पुकारने लगते हैं पर वह क्षणिक रोष होता है। कभी-कभी लम्बी या असाध्य बीमारी की अवस्था में भी मनुष्य जीवन से हारकर मृत्यु का दामन थामना चाहता है परन्तु यह उसके वश में नहीं होता। ईश्वरीय इच्छा के समक्ष मनुष्य को नतमस्तक होना पड़ता है। जब वह पूर्वजन्म कृत कर्मों के अनुसार अपनी आयु भोग लेता है तभी उसे अपने जीवन से छुटकारा मिलता है, उसकी कामना करने के कारण पहले नहीं।

ईश्वर के प्राकृतिक न्याय के अनुसार मृत्यु होना एक स्वाभाविक-सी प्रक्रिया है परन्तु अपने पैरों पर स्वयं ही कुल्हाड़ी मारने वाली यह मृत्यु मनुष्य की स्वयं की बुलाई हुई होती है। मनुष्य को अपनी मृत्यु को इस प्रकार अनावश्यक रूप से कष्टदायक नहीं बनाना चाहिए। उसे सही रास्ते का चुनाव करके उस मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सुखद बनाना चाहिए। (उर्वशी)

क्या है मंत्र साधना?

राजीव अग्रवाल

साधना से हमारा तात्पर्य अपने भगवान और मन को पूरी तरह एकाग्रचित होकर एक लक्ष्य, एक दिशा और एक इष्ट पर केंद्रित कर देना है।

साधारण रूप से इष्ट वंदना, पूजा व ध्यान को हम साधना नहीं कह सकते हैं। एकाग्रता से लगातार ध्यान करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना ही साधना है।

साधना कोई भी हो, कैसी भी हो, कड़ी मेहनत व लगन चाहती है। चाहे वह अभिनेता हो, व्यापारी हो, छात्रा हो या कोई हो, सभी को लक्ष्य की प्राप्ति हेतु व उन्नति हेतु कठिन से कठिन परिश्रम करना पड़ता है। तभी लक्ष्य की प्राप्ति सम्भव है।

किसी भी साधना के लिए या इष्ट साधना व ध्यान के लिए साधक में निम्न बातों का होना आवश्यक है- तन मन से स्वच्छ होना, पथ-प्रदर्शक का निर्देशन होना, संकल्प शक्ति का होना, उद्देश्य का स्पष्ट होना व साधना के प्रति अटूट विश्वास होना।

बिना संकल्प, अटूट विश्वास व लगन के साधना करना व्यर्थ है। यदि संकल्प नित्य साधना में करें तो उत्तम है। वैसे संकल्प को संपूर्ण साधना काल में मंत्रा जपते समय मानसिक रूप से दोहराते रहें। जितना आप संकल्प के प्रति दृढ़ रहेंगे, उतनी ही जल्दी आपकी साधना सफल होगी। जिस प्रकार किसी राग का साधक धीरे-धीरे अपने अभ्यास से अपनी वाक् शक्ति को जगाकर राग की रमणीयता उत्पन्न करता है, उसी प्रकार मंत्रा साधक को भी अनवरत प्रयास, अखंडित नियम, मंत्र जाप के लिए निश्चित समय को अपनाते हुए मंत्रा को सिद्ध करना चाहिए यानी सिद्धि प्राप्त करनी चाहिए। सिद्धि कोई चमत्कार नहीं है बल्कि यह साधक और मंत्र का ऐसा मिलन है जिसमें साधक और साध्य एकाकार हो जाते हैं यानी दोनों एक दूसरे में लीन हो जाते हैं।

विज्ञान के अनुसार ध्वनि से ऊर्जा तरंगें उत्पन्न होती हैं। शब्द भी एक ध्वनि है। यह ध्वनि अर्थयुक्त होने के बावजूद महत्त्वपूर्ण नहीं है। महत्त्वपूर्ण तो ध्वनि या नाद ही है। नाद एक ऊर्जा है और इसमें फैलने की स्वाभाविक क्षमता है।

मंत्र कुछ ऐसे ही नाद या ध्वनियों का समूह है जिससे एक विशेष प्रकार की ऊर्जा प्रकट होती है। इस ऊर्जा का प्रभाव व्यक्तियों पर ही नहीं बल्कि वस्तुओं पर भी पड़ता है।

यदि किसी कारणवश इस जन्म में साधक इस मार्ग पर चलते हुए मंत्रा सिद्ध नहीं कर पाता तो मृत्यु के पश्चात् अगले जन्म में उसकी साधना यात्रा वहीं से प्रारम्भ होगी जहाँ उसने पिछले जन्म में छोड़ी थी। जब तक साधना पूर्ण नहीं हो जाती, साधक का यह क्रम जन्म जन्मांतर तक जारी रहता है।

मंत्र साधना कोई आसान बात नहीं है। मंत्र की प्रकृति उसकी उपयोगिता और महत्त्व को समझे बिना यह लाभदायक नहीं होता, इसलिए शास्त्रों में कहा गया है कि मंत्रा की दीक्षा किसी गुरू से लेनी चाहिये और उसी के निर्देशन में ही मंत्र साधना करनी चाहिये।

हर मंत्र का अपना एक अलग वर्ण और विन्यास है इसलिए जरूरी नहीं कि साधक जिस मंत्र की चाहे साधना कर ले। इसी प्रकार साधक का इष्ट कौन है, मंत्र साधना काफी कुछ इस पर भी निर्भर करती है, यदि साधक कृष्ण भगवान का साधक है तो वह तंत्राशास्त्रा के मंत्रों की साधना नहीं कर सकता।

माला के बिना मंत्रा साधना संभव नहीं है। सिद्ध साधक जो निरंतर जप करते हैं, उनके लिए उनका मन ही माला बन जाता है। उनके भीतर मंत्र जाप आठों पहर होता रहता है। सामान्य रूप से सभी भक्तों एवं साधकों को माला का प्रयोग करना चाहिये। माला का प्रयोग मंत्रा साधना के लिए तो होता ही है, साथ ही मंत्र और माला के संयोग से एकाग्रता बनी रहती है और हमें ऊर्जा भी प्राप्त होती है।

अन्त में, मैं यही कहूँगा कि यदि साधक निश्छल भाव, सच्ची लगन व पूर्ण संयम के साथ अपने इष्ट में पूर्ण विश्वास एवं निष्ठा के साथ मंत्र साधना करता है तो इष्ट की कृपा से उसकी साधना सफल हो जाती है। (उर्वशी)

जब सहमति से संबंध बना हो तो अपराध का सवाल ही कहां उठता है : उच्चतम न्यायालय

मामले में नोटिस जारी, समझौते की संभावना तलाशने को कहा

■ महिला को बच्चे के भरण-पोषण के लिए उपाय सुझाया

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने शादी का झूठा वादा कर कथित यौन उत्पीड़न करने के मामले में अपने पूर्व 'लिव-इन' साथी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द किये जाने को चुनौती देने वाली एक महिला से सोमवार को सवाल किया कि जब संबंध सहमति से बना हो तो अपराध का सवाल ही कहां उठता है। महिला ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि महिला उस व्यक्ति के साथ रहती थी और उससे उसका एक बच्चा भी है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''जब आपसी सहमति से संबंध बना हो तो अपराध का सवाल ही कहां उठता है? वे साथ रह रहे थे और उसका (महिला का) उससे एक बच्चा भी है। दोनों की शादी नहीं हुई और अब, वह कह रही कि यौन उत्पीड़न किया गया। 15 साल तक वे साथ रहे।'' महिला के वकील ने न्यायालय में दलील दी कि उसके पति की पहले ही मौत हो चुकी थी और उसके करीबी रिश्तेदार ने उसे आरोपी से मिलवाया था। न्यायालय को यह भी बताया गया कि आरोपी ने उससे शादी का वादा किया था और उसका यौन शोषण किया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने पूछा, ''वह शादी से पहले उसके साथ क्यों रहने लगी?'' उन्होंने कहा, ''वह उसके साथ रहती थी। उससे उसका एक बच्चा भी है। वह उसे छोड़कर चला जाता है क्योंकि शादी का कोई बंधन नहीं है। कोई कानूनी बंधन नहीं है। वह छोड़कर चला जाता है, लिव-इन रिलेशनशिप में यही जोखिम होता है। इसलिए, जब वह छोड़कर चला गया है, तो यह अपराध का मामला नहीं बनता।'' महिला के वकील ने दलील दी कि आरोपी पहले से शादीशुदा था और उसने यह बात छिपाई थी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''देखिये, अगर शादी हुई होती, तो उसके (महिला के) पास अधिकार होते। वह (आरोपी की) दो शादियों को लेकर मुकदमा दायर कर सकती थी। वह गुजारा भत्ता के लिए मुकदमा कर सकती थी। उसे राहत मिल जाती। अब चूंकि शादी ही नहीं हुई है, वे साथ रहते हैं, यह जोखिम है। वे किसी भी दिन अलग हो सकते हैं। हम क्या करें?'' उन्होंने सुझाव दिया कि महिला बच्चे के लिए भरण-पोषण खर्च जैसे उपाय का सहारा ले सकती है। उन्होंने पक्षकारों से मध्यस्थता की प्रक्रिया में जाने को कहा। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''अगर वह जेल भी चला जाता है, तो उसे (महिला को) क्या मिलेगा? हम बच्चे के लिए कुछ भरण-पोषण खर्च के बारे में सोच सकते हैं। बच्चा अब सात साल का है। कम से कम, बच्चे के लिए कुछ वित्तीय सहायता तो दी ही जा सकती है।'' न्यायालय ने इस मामले में नोटिस जारी किया और पक्षकारों से यह पता लगाने को कहा कि क्या याचिकाकर्ता और आरोपी के बीच कोई समझौता हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम में बड़ा रोड शो किया

गंगटोक : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार शाम सिक्किम की राजधानी गंगटोक में एक विशाल रोड शो का नेतृत्व किया। सिक्किम राज्य की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मोदी गंगटोक पहुंचे। लेपचा कोट पहने मोदी का लिबिंग हेलीपैड पर राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने स्वागत किया। हेलीपैड से प्रधानमंत्री ने रोड शो शुरू किया, जो लोक भवन में समाप्त होगा, जहां वह रात्रि प्रवास करेंगे। खुली गाड़ी में मोदी के बाईं ओर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और दाईं ओर राज्य भाजपा अध्यक्ष डी.आर. थापा बैठे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़कों पर घंटों तक भारी भीड़ उमड़ती रही और लोग राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहे थे। जैसे ही प्रधानमंत्री का काफिला पहुंचा, लोग जश्न मनाने लगे और उत्सव का माहौल बन गया। रोड शो के मार्ग को सजाया गया था, कई जगहों पर मेहराबदार द्वार बनाए गए थे और सड़कों के किनारे प्रधानमंत्री के बड़े-बड़े कटआउट लगाए गए थे। मंगलवार को मोदी गंगटोक स्थित 'ऑर्किडेरियम' का दौरा करेंगे। राज्य की पारिस्थितिकी और पुष्प विरासत को प्रदर्शित करने के लिए सिक्किम राज्य स्थापना की स्वर्ण जयंती पर एक विश्व स्तरीय 'ऑर्किड अनुभव केंद्र' के रूप में 'स्वर्ण जयंती मैत्री मंजरी पार्क' विकसित किया गया है। मोदी पालजोर स्टेडियम में सिक्किम राज्य की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने से जुड़े समारोह के समापन कार्यक्रम में भाग लेने के साथ 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का अनावरण भी करेंगे। ये परियोजनाएं अवसंरचना, संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं। इस अवसर पर मोदी सभा को संबोधित भी करेंगे।

सरकार ने पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन आमंत्रित किए, अंतिम तिथि 31 जुलाई

नयी दिल्ली : भारत के नागरिक इस वर्ष 31 जुलाई तक गणतंत्र दिवस 2027 पर घोषित होने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सुझाव भेज सकते हैं। यह जानकारी सोमवार को जारी एक सरकारी बयान में दी गयी। इसमें कहा गया है कि सुझाव केवल राष्ट्रीय पुरस्कार भारत सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के शीर्ष नागरिक पुरस्कारों में हैं। ये नागरिक पुरस्कार 1954 में शुरू किये गए थे और इसकी घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। बयान में कहा गया है, इन पुरस्कारों का उद्देश्य 'विशिष्ट कार्य' को मान्यता देना है। ये कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामले, सरकारी सेवा, व्यापार और उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए दिए जाते हैं।

एनआईए अदालत ने अलगाववादी शब्बीर शाह की रिमांड अवधि 10 दिन के लिए बढ़ाई

जम्मू : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने आतंकवाद के तीन दशक पुराने मामले के सिलसिले में अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की रिमांड अवधि सोमवार को 10 दिन और बढ़ा दी। अधिकारियों ने बताया कि शाह की 10 दिन की रिमांड अवधि सोमवार को समाप्त हो रही, जिसके बाद उसे जम्मू की विशेष एनआईए अदालत में पेश किया गया, जिसने उसकी हिरासत अवधि 10 दिन और बढ़ा दी। शाह ने जमानत याचिका दायर की है, जिस पर अगली सुनवाई के दौरान विचार किए जाने की संभावना है।

मोदी डिग्री मामला: उच्च न्यायालय ने डीयू को आपत्ति दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का और समय दिया

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक डिग्री के विवरण का खुलासा करने से इनकार करने वाले आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करने में हुई देरी पर आपत्ति दर्ज करने के लिए दो सप्ताह का और समय दिया। अपीलकर्ताओं के वकील ने अदालत से देरी माफ करने का आग्रह करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को पिछली तारीख को भी आपत्ति दर्ज करने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया गया था। हालांकि, दिल्ली विश्वविद्यालय के वकील ने कहा कि देरी पर आपत्ति दो सप्ताह के भीतर दाखिल कर दी जाएगी और अनुरोध किया कि जवाब दाखिल करने के बाद इस मामले पर फैसला किया जाए।

माता की प्रजनन स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व देना चाहिए : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने 15 वर्षीय एक किशोरी को 28 हफ्ते से अधिक का गर्भ चिकित्सकीय देखरेख में खत्म करने की अनुमति देते हुए कहा कि माता की प्रजनन स्वायत्तता को अवश्य ही सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब अनचाहे गर्भ को खत्म करने के लिए संवैधानिक न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाता है, तो उन्हें रोकने का तरीका नहीं अपनाना चाहिए।

अपनी जेब में एक प्याज रखकर गर्मी से बचें: सिंधिया

गुना (मध्यप्रदेश) : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चिलचिलाती धूप और लू से शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जेब में एक प्याज रखने का सदियों पुराना उपाय साझा किया है। सिंधिया का कहना है कि गर्मी में शरीर का तापमान नियंत्रित रखने में प्याज बहुत सहायक होती है। वह रविवार शाम को अपने संसदीय क्षेत्र गुना के पिछोर-शिवपुरी में एक कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों को संबोधित कर रहे थे। सिंधिया ने कहा कि आज के आधुनिक युग में हर कोई अपने साथ फोन रखता है, लेकिन वह अपने पास एक प्याज रखते हैं। उन्होंने कहा, यह चिलचिलाती गर्मी में शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। सिंधिया ने इसके साथ ही अपनी जेब से एक प्याज निकाला और उपस्थित जनसमूह को दिखाया। उन्होंने कहा, मैं अपनी कार में इसी का उपयोग नहीं करता। मैं अपनी जेब में सिर्फ एक प्याज रखता हूं।

'सरके चुनर' विवाद: संजय दत्त ने माफी मांगी; 50 आदिवासी लड़कियों की शिक्षा का खर्च उठाएंगे

नयी दिल्ली : अभिनेता संजय दत्त ''सरके चुनर'' गीत से जुड़े विवाद के सिलसिले में सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुए और एक लिखित माफीनामा सौंपा तथा समाज की भावनाओं को ''अनजाने में'' किसी भी तरह की ठेस पहुंचाने के लिए खेद व्यक्त किया। सुनवाई के दौरान आयोग ने ''केडी द डेविल'' फिल्म के गीत में कथित अश्लीलता और महिलाओं को गलत तरीके से दर्शाने पर चिंता जताई तथा इरादे, जागरूकता और जवाबदेही के मुद्दों पर सवाल उठाए। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने सुनवाई के दौरान इस बात पर जोर दिया कि क्या इस तरह के गीत को तैयार करने से पहले पूरी तरह से जांच-पड़ताल की गई थी, जिसकी सामग्री को महिलाओं को वस्तु के रूप में पेश करने को बढ़ावा देने वाला माना जा सकता है। उन्होंने वरिष्ठ और प्रभावशाली सार्वजनिक हस्तियों की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका काम कानूनी और सामाजिक मानकों के दायरे में रहे। आयोग ने एक बयान में कहा कि सुधारात्मक उपाय के तौर पर, दत्त ने समाज कल्याण और महिला सशक्तिकरण की कोशिशों के तहत 50 आदिवासी लड़कियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का वादा किया है। दत्त ने आयोग को यह भी भरोसा दिलाया कि भविष्य में उनके करार में आवश्यक कानूनी प्रावधान शामिल किये जाएंगे, ताकि फिल्मों और उनसे जुड़ी रचनात्मक परियोजनाओं में महिलाओं एवं बच्चों का सम्मानजनक और उपयुक्त चित्रण हो सके। अभिनेत्री नोरा फतेही को भी मामले में समन जारी किया गया था। हालांकि, वह पेश नहीं हो सकीं, क्योंकि वह अभी विदेश में हैं और उन्होंने सुनवाई के लिए नयी तारीख मांगी है।

तमिलनाडु चुनाव: महिला मतदाताओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक संख्या में मताधिकार का प्रयोग किया

चेन्नई : तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि राज्य में कुल महिला मतदाताओं में से करीब 2.52 करोड़, यानी लगभग 86.2 प्रतिशत महिलाओं ने उत्साहपूर्वक मतदान किया। उन्होंने बताया कि पुरुष मतदाताओं में 2.35 करोड़ लोगों ने मतदान किया, जो राज्य के कुल पुरुष मतदाताओं का 83.96 प्रतिशत है। राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर कुल 4.87 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो उल्लेखनीय मतदान प्रतिशत दर्शाता है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में तृतीय लिंगी मतदाताओं ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई, जिनमें 4,517 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो पंजीकृत कुल तृतीय लिंगी मतदाताओं का 58.44 प्रतिशत है। राज्य में कुल मतदान प्रतिशत लगभग 85.1 प्रतिशत दर्ज किया गया। तमिलनाडु में कुल 5.73 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 2.93 करोड़ महिलाएं, 2.83 करोड़ पुरुष और 7,728 तृतीय लिंगी मतदाता शामिल हैं। इसमें 14.59 लाख प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाता भी शामिल थे।

ईडी ने अंतरराज्यीय शराब तस्करी गिरोह पर शिकंजा कसते हुए अरुणाचल में नौ जगहों पर छापे मारे

ईटानगर : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंतरराज्यीय शराब तस्करी और धन शोधन नेटवर्क के खिलाफ जांच के सिलसिले में अरुणाचल प्रदेश में नौ स्थानों पर एक साथ छापे मारे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई यह कार्रवाई एक विस्तृत जांच का हिस्सा है और अब तक की जांच से संकेत मिलता है कि यह गिरोह विभिन्न राज्यों में शराब पर लगने वाले कर के अंतर का फायदा उठाने के लिए अवैध गतिविधियों में संलिप्त था। उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में बिक्री के लिए निर्धारित शराब को अवैध रूप से असम व अन्य राज्यों में भेजा जा रहा था। इस सप्ताह चलाए गए इस अभियान में ईटानगर, नाहरलागुन, सेप्पा, जीरो, दापोरिजो, नामसाई और रोइंग जैसे शहरों में छापे मारे गए। अधिकारियों के अनुसार यह जांच अरुणाचल प्रदेश से असम में शराब के अवैध परिवहन को लेकर असम पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी से संबद्ध है।

सूरत में एसबीआई की शाखा से हथियारबंद लुटेरों ने 50 लाख रुपये नकद लूटे

सूरत : गुजरात के सूरत शहर में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा को सशस्त्र लुटेरों के एक गिरोह ने दिनदहाड़े निशाना बनाया और कर्मचारियों और ग्राहकों को बंदूक के दम पर बंधक बनाकर 50 लाख रुपये नकद लूट लिए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) आलोक कुमार ने बताया कि पांच लोगों के गिरोह ने कथित तौर पर बैंक के 'अलार्म सिस्टम' को निष्क्रिय कर दिया और कर्मचारियों और ग्राहकों दोनों से मोबाइल फोन छीन लिए ताकि वे अधिकारियों को सूचित न कर सकें। उन्होंने बताया कि यह लूट शहर के वराछा इलाके में स्थित एसबीआई की शाखा में हुई। अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया, प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि लगभग 50 लाख रुपये नकद लूटे गए।

दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त

नयी दिल्ली : पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को सोमवार को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया। दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार की कोशिशों के बीच त्रिवेदी की नियुक्ति का फैसला लिया गया है। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान दोनों देशों के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। विदेश मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि त्रिवेदी जल्द ही कार्यभार संभालेंगे। वह प्रणय वर्मा का स्थान लेंगे जिन्हें बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन और यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में काफी गिरावट आई थी। वर्मा ने फरवरी में तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार बनने के बाद संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों में अहम भूमिका निभाई थी। इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भारत आए थे और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल तथा विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत की थी। बैठकों के दौरान व्यापार, ऊर्जा और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एनआईए ने लश्कर के अंतरराज्यीय आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े मामले की जांच संभाली

जम्मू : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के अंतरराज्यीय आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े मामले की जांच का जिम्मा संभालते हुए गिरफ्तार किए गए दो पाकिस्तानी नागरिकों समेत पांच आतंकवादियों को पूछताछ के लिए सोमवार को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सात अप्रैल को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद-रोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए लश्कर के पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें 16 वर्ष से फरार अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है। अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब और श्रीनगर के तीन निवासियों मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को भी इस बड़े अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया था। अभियान में जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां शामिल थीं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो आतंकवादियों की सहायता करता था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच का जिम्मा संभालने के बाद एनआईए ने सोमवार को सभी गिरफ्तार आतंकवादियों को जम्मू की विशेष एनआईए अदालत में पेश किया।

इस्लामिक स्टेट की विचारधारा फैलाने के आरोप में व्यक्ति को 10 साल के कठोर कारावास की सजा

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'इस्लामिक स्टेट' (आईएसआईएस) के सदस्य मोहम्मद शारिक को आतंकी विचारधारा फैलाने और संगठन के लिए धन जुटाने के मामले में 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। एनआईए ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि बेंगलुरु स्थित एक विशेष अदालत ने शारिक पर 92,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बयान के अनुसार, शारिक 2022 के मंगलुरु प्रेशर कुकर बम विस्फोट मामले में भी आरोपी है। बयान के अनुसार, शारिक ने सह-आरोपी सैयद यासीन और एक विदेशी हैंडलर के साथ मिलकर भारत में आईईडी हमलों की साजिश रची थी। नवंबर 2022 में वह एक ऑटो में प्रेशर कुकर बम लेकर मंगलुरु के मंदिर में विस्फोट की साजिश रच रहा था, लेकिन बम पहले ही फट गया और वह घायल हो गया।। एनआईए ने बताया कि आरोपी ने फर्जी पहचान पत्र, सिम कार्ड और बैंक खातों का इस्तेमाल कर आतंक का वित्तपोषण किया। एनआईए की जांच के अनुसार, शारिक ने मैसूरु में एक ठिकाना स्थापित किया था, आईईडी बनाने के लिए कच्चा माल जुटाया था और कर्नाटक के मंगलुरु, दावणगेरे और उडुपी क्षेत्रों में संवेदनशील जगहों की रेकी की थी।

अभिनेता भरत कपूर का 80 वर्ष की आयु में निधन

मुंबई : हिंदुस्तान की कसम, सोने पे सुहागा और बलिदान जैसी फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाने के लिए जाने जाने वाले अभिनेता भरत कपूर का सोमवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके मित्र और अभिनेता अवतार गिल ने यह जानकारी दी। वह 80 वर्ष के थे। अभिनेता के करीबी मित्र अवतार गिल ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, मुझे भरत के बेटे राहुल का फोन आया, जिन्होंने बताया कि उनके पिता का घर पर अपराह्न करीब तीन बजे दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह तीन दिनों से बीमार थे। भरत कपूर ने 'बरसात', 'आखिरी रास्ता', 'नूरी', 'राम बलराम', 'इंकार' और कई अन्य फिल्मों में मुख्य रूप से नकारात्मक भूमिकाएं निभाई हैं। भरत कपूर का अंतिम संस्कार आज शाम 6:00 बजे सायन अस्पताल के पास स्थित शवदाह गृह में किया गया। भरत कपूर के परिवार में उनकी पत्नी लोपा और बेटे राहुल और सागर हैं। उनकी बेटी कविता का कुछ साल पहले निधन हो गया था।

वकील, गवाह व न्यायाधीश सभी केजरीवाल तो न्यायिक व्यवस्था की जरूरत क्या है: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कथित शराब घोटाले से संबंधित मामले में उच्च न्यायालय में अपनी पैरवी खुद करने की 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल की घोषणा को सोमवार को 'घटिया मजाक' बताया और कहा कि वह बेबुनियादी शोर मचाने से नहीं बल्कि अदालत के फैसले से साबित होगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा को पत्र लिखकर कहा है कि आबकारी मामले में न तो वह व्यक्तिगत रूप से और न ही वकील के माध्यम से उनके समक्ष पेश होंगे। 'आप' नेता ने न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा से मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद केजरीवाल ने चार पत्रों के एक पत्र में ''न्याय नहीं मिलने'' की ओर इशारा करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर उनकी ''गंभीर'' चिंताएं हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गुप्ता ने यहां पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि हमेशा न्याय व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाना और संवैधानिक संस्थाओं को गाली देना, यही केजरीवाल की कार्यशैली है और यही इनकी मानसिकता बन गई है। गुप्ता ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री शराब घोटाले में लिप्त हैं और उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर है और वह न्यायपालिक पर सवाल उठाकर न्यायाधीश और अदालत बदलवाना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें आशंका है कि अदालत का फैसला उनके खिलाफ आ सकता है।

केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को लिखा पत्र, कहा: न्याय होता हुआ दिखना भी चाहिए

नयी दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा को पत्र लिखकर कहा है कि आबकारी मामले में न तो वह व्यक्तिगत रूप से और न ही वकील के माध्यम से उनके समक्ष पेश होंगे। पार्टी ने सोमवार को यह जानकारी दी। केजरीवाल ने चार पन्नों के इस पत्र में ''न्याय नहीं मिलने'' की ओर इशारा करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर उनकी ''गंभीर'' चिंताएं हैं। बाद में केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई ''जीत या हार के बारे में नहीं है, बल्कि सही और गलत के बारे में है।'' उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में न्यायमूर्ति शर्मा द्वारा पूर्व में दिये गए आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाने की तैयारी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''लोग मुझसे पूछ सकते हैं कि यदि मैं मामले की सुनवाई से खुद को अलग नहीं करने संबंधी उनके आदेश से खुश नहीं हूं, तो मैं उच्चतम न्यायालय क्यों नहीं जाता? मैं उसके लिए तैयारी कर रहा हूं, यह बहुत संवेदनशील मामला है।''

भारत में 46.9 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा अकोला, लू की चपेट में विदर्भ

नागपुर : महाराष्ट्र के अकोला में देश में सबसे अधिक 46.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि नागपुर समेत विदर्भ के अन्य हिस्से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग के अधिकारियों ने सोमवार यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक राज्य के विदर्भ क्षेत्र के कुछ हिस्सों में मंगलवार तक लू की स्थिति बनी रहने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है तथा कुछ दूरस्थ स्थानों पर यह 47 डिग्री सेल्सियस भी हो सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नागपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, रविवार को अकोला में 46.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है। दूसरे स्थान पर अमरावती रहा जहां तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंकड़ों के अनुसार, इसके अलावा वर्धा में 46.4 डिग्री सेल्सियस, यवतमाल में 46 डिग्री सेल्सियस, नागपुर में 45.4 डिग्री सेल्सियस और चंद्रपुर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आरएमसी के वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अकोला, अमरावती, वर्धा, यवतमाल, चंद्रपुर तथा नागपुर जैसे जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जबकि कई अन्य जिलों में सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया गया। आईएमडी ने अकोला, अमरावती और वर्धा के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' और नागपुर, चंद्रपुर तथा यवतमाल के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। विभाग के मुताबिक, मंगलवार के बाद लू से राहत मिलने की उम्मीद है और पारा दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक कम हो सकता है। साथ ही आने वाले दिनों में बारिश और तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है।

सरकार ने बाल पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित किए, 31 जुलाई अंतिम तिथि

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने वाले प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) के लिए नामांकन आमंत्रित किए, जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और कला एवं संस्कृति जैसे क्षेत्रों में देश भर के बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस साल 31 जुलाई तक पांच से 18 वर्ष की आयु के वे बच्चे पुरस्कार के लिए नामांकन कर सकते हैं, जो विभिन्न श्रेणियों में इसके पात्र हैं।

चाबहार बंदरगाह से जुड़े मुद्दे पर ईरान, अमेरिका के साथ चर्चा जारी : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली : ईरान के चाबहार बंदरगाह के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट 26 अप्रैल को समाप्त होने की पृष्ठभूमि में भारत ने सोमवार को कहा कि यह मुद्दा ईरान और अमेरिका के साथ ''चर्चा के अधीन'' है तथा ''मौजूदा (पश्चिम एशिया) संघर्ष भी एक जटिल कारक है।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां संवाददाताओं को महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। उनसे परियोजना की स्थिति के बारे में पूछा गया था, क्योंकि इस पर अमेरिका द्वारा भारत को दी गई प्रतिबंध छूट रविवार को समाप्त हो गई। जायसवाल ने कहा कि चाबहार बंदरगाह से जुड़ा मुद्दा ईरान और अमेरिका, दोनों के साथ चर्चा के दौर में है। उन्होंने कहा, ''जाहिर है, मौजूदा संघर्ष भी एक जटिल कारक है। स्थिति में जैसे-जैसे बदलाव आएगा, हम आपको सूचित करते रहेंगे।'' चाबहार बंदरगाह परियोजना की परिकल्पना अफगानिस्तान को उसके पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक कनेक्टिविटी प्रदान करने और पश्चिम एशिया के साथ व्यापार और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

अफवाहों के कारण पेट्रोल-डीजल खरीदने की होड़, सरकार ने कहा आपूर्ति पर्याप्त

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को कहा कि देश के कुछ हिस्सों में अफवाहों के कारण पेट्रोल और डीजल खरीदने की होड़ मच गई, जिससे मांग में असाधारण उछाल आया। साथ ही स्पष्ट किया कि जरूरतों को पूरा करने के लिए ईंधन का पर्याप्त भंडार है। खबरों के अनुसार आंध्र प्रदेश के कई शहरों में कीमतों में तत्काल वृद्धि की अफवाहों के कारण ईंधन खरीदने की होड़ मच गई, जिससे कमी पैदा हुई और रविवार को 400 से अधिक पेट्रोल पंप खाली हो गए। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमने कुछ क्षेत्रों में असाधारण वृद्धि देखी है...। डीजल जैसे ईंधन की मांग में 30-33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यही कारण है कि कुछ खुदरा बिक्री केंद्रों को समस्याओं का सामना करना पड़ा।' हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि तेल कंपनियां समस्या का समाधान कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'उपलब्धता की कोई समस्या नहीं है। हमारे पास पर्याप्त भंडार है।' अफवाहों के कारण कुछ खुदरा बिक्री केंद्रों पर घबराहट में खरीदारी देखे जाने के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'पीएसयू खुदरा बिक्री केंद्र सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचें क्योंकि सरकार इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास कर रही है।'

आभूषणों की तुलना में अब निवेश के लिए सोना खरीद रहे भारतीय: रिपोर्ट

मुंबई : अब अधिक संख्या में भारतीय आभूषणों की तुलना निवेश के लिए सोना खरीद रहे हैं। चालू वित्त वर्ष में ऐसे उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी बढ़कर 40 प्रतिशत तक होने की उम्मीद है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी केयरएज की इस रिपोर्ट के अनुसार कुल सोना की खरीद में आभूषणों की खपत का हिस्सा 2025 में गिरकर 60 प्रतिशत से नीचे आ गया, जबकि लंबी अवधि का औसत 70 प्रतिशत रहा है। केयरएज के निदेशक अखिल गोयल ने कहा कि यह दुनिया के सबसे बड़े स्वर्ण उपभोक्ताओं में एक भारत के सोना खरीदने के प्रतिरूप में एक संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है। गोयल ने कहा, 'भू-राजनीतिक अनिश्चितता, सोने की कीमतों में तेजी और पोर्टफोलियो विविधीकरण की प्राथमिकताएं सोने की निवेश मांग को बढ़ावा देती रहेंगी। वित्त वर्ष 2026-27 में कुल स्वर्ण खपत में निवेश की हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत रहने का अनुमान है।' रिपोर्ट में कहा गया कि 60 प्रतिशत आभूषणों की खपत अभी भी 50 प्रतिशत के वैश्विक औसत से अधिक है। भारत में निवेश की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जिसका नेतृत्व गोल्ड ईटीएफ और बार तथा सिक्कों की खरीद ने किया है। यह अन्य बातों के साथ ही सुरक्षित निवेश की मांग को दर्शाता है। एजेंसी का मानना है कि सोने की कीमत अब एक स्थायी उच्च-मूल्य वाले दौर में प्रवेश कर चुकी हैं। इसे मांग में संरचनात्मक बदलाव, केंद्रीय बैंकों द्वारा निरंतर खरीद और वैश्विक व्यापक आर्थिक तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितता से समर्थन मिल रहा है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए संपन्न, 100 प्रतिशत निर्यात को मिलेगी शुल्क-मुक्त पहुंच

- व्यापार को नई उड़ान, निवेश और रोजगार के खुलेंगे अवसर
- पेशेवरों के लिए 5,000 वीजा का प्रावधान
- वस्त्र, चमड़ा, जूते, इंजीनियरिंग व खाद्य निर्यात को बड़ा लाभ

नयी दिल्ली : भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को 'पीढ़ियों में एक बार' होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत भारतीय निर्यात को न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के इस साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है, जिसके लिए न्यूजीलैंड की संसद की मंजूरी लेनी जरूरी होगी, जबकि भारत में इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल स्वीकृति देता है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों के भीतर 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता जतायी है। इससे पहले यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौते में भी 100 अरब डॉलर का निवेश वादा किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस व्यापार समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह एफटीए किसानों, युवाओं, महिलाओं, एमएसएमई, कारीगरों, स्टार्टअप एवं नवाचार करने वालों को लाभ पहुंचाएगा तथा कृषि, विनिर्माण एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग को मजबूत करेगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे 'पीढ़ियों में एक बार' होने वाला समझौता करार देते हुए कहा कि इससे निर्यातकों को 1.4 अरब लोगों के भारतीय बाजार तक अभूतपूर्व पहुंच मिलेगी। यह करार पांच वर्षों में द्विपक्षीय वस्तु एवं सेवा व्यापार को दोगुना कर पांच अरब डॉलर तक पहुंचाने में मदद करेगा। वर्तमान में यह आंकड़ा करीब 2.4 अरब डॉलर है। इस समझौते के तहत भारत के वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और प्रसंस्कृत खाद्य जैसे निर्यातों को न्यूजीलैंड में पूर्ण शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। पहले न्यूजीलैंड इन पर 10 प्रतिशत तक शुल्क लगाता था। दूसरी तरफ, भारत ने न्यूजीलैंड के लिए लगभग 70 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों पर रियायत दी है, जो द्विपक्षीय व्यापार के 95 प्रतिशत मूल्य को कवर करती हैं। हालांकि कुछ उत्पादों को समझौते के दायरे से बाहर भी रखा गया है। इनमें डेयरी (दूध, मलाई, दही, पनीर), पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), कृषि वस्तुएं (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, पशु/वनस्पति वसा एवं तेल, हथियार एवं गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा एवं उससे बने उत्पाद (कैथोड, कार्ट्रिज, रॉड, कॉइल) तथा एल्युमीनियम एवं उससे जुड़े उत्पाद शामिल हैं। दूसरी तरफ, भारत न्यूजीलैंड के कुछ उत्पादों जैसे लकड़ी, कोकिंग कोल, धातु स्क्रैप, भेड़ का मांस और कच्ची खाल को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। वहीं न्यूजीलैंड से आने वाले पेट्रोलियम तेल, वनस्पति तेल और मशीनरी पर शुल्क चरणबद्ध तरीके से कम किए जाएंगे। कुछ उत्पादों जैसे मनुका शहद, सेब और कीवी पर कोटा-आधारित रियायतें दी गई हैं, जिनमें न्यूनतम आयात मूल्य और अन्य सुरक्षा उपाय शामिल हैं ताकि घरेलू किसानों के हितों की रक्षा हो सके। सेवाओं के क्षेत्र में भारत को कंप्यूटर, दूरसंचार, वित्त, शिक्षा, पर्यटन और पेशेवर सेवाओं सहित 118 क्षेत्रों में बाजार पहुंच मिलेगी, जबकि 139 उप-क्षेत्रों में 'सर्वाधिक तरजीही देश' (एमएफएन) का प्रावधान होगा। समझौते में भारतीय पेशेवरों के लिए 5,000 वीजा का प्रावधान किया गया है, जिसमें आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, योग और अन्य कुशल क्षेत्रों को शामिल किया गया है। साथ ही, न्यूजीलैंड ने पहली बार छात्रों के लिए विशेष आवाजाही सिद्धांत और अध्ययन के बाद कामकाजी वीजा देने का भी प्रावधान किया है। न्यूजीलैंड को होने वाले भारत के प्रमुख निर्यातों में विमानन ईंधन, दवाएं, मोटर वाहन, पेट्रोलियम उत्पाद, रेडीमेड परिधान और मशीनरी शामिल हैं। वहीं आयात में लकड़ी एवं लकड़ी उत्पाद, लोहा-इस्पात, कच्चा ऊन, डेयरी उत्पाद, धातु स्क्रैप, कोयला और कृषि से जुड़े उत्पाद शामिल हैं।

भारत एफटीए के तहत डेयरी क्षेत्र में कभी कोई शुल्क रियायत नहीं देता: गोयल

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत ने अब तक यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सहित अपने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत डेयरी क्षेत्र में कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। उन्होंने कहा कि भारत का डेयरी क्षेत्र बहुत छोटे और सीमांत किसानों द्वारा संचालित है, जिनके पास सीमित भूमि है और केवल कुछ ही मवेशी हैं।

एसएमई को होगा बड़ा लाभ : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दोनों देशों की साझेदारी में एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता किसानों, युवाओं, महिलाओं, एमएसएमई, स्टार्टअप और छात्रों सहित अन्य वर्गों को काफी फायदा पहुंचाएगा। मोदी ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड की 20 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता कृषि, विनिर्माण, नवाचार और प्रौद्योगिकी में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करेगी।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पीढ़ियों में एक बार होने वाला समझौता: प्रधानमंत्री लक्सन

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को 'पीढ़ियों में एक बार होने वाला' करार बताते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के दौर में यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार के सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद तरीके से चलने का भरोसा देता है।

शेयर बाजार में तीन दिन बाद तेजी लौटी, सेंसेक्स 639 अंक चढ़ा

मुंबई : वैश्विक संकेतों में सुधार और प्रमुख कंपनियों में खरीदारी के चलते घरेलू शेयर बाजारों में तीन दिन की गिरावट के बाद सोमवार को तेजी लौटी। सेंसेक्स 639 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 195 अंकों की बढ़त दर्ज की गई। विश्लेषकों के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और सन फार्मा के शेयरों में जोरदार लिवाली आने से मानक सूचकांकों में उछाल देखा गया। इसके अलावा ईरान और अमेरिका के बीच तनाव घटने के संकेतों ने भी धारणा को मजबूती दी। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 639.42 अंक यानी 0.83 प्रतिशत उछलकर 77,303.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 755.83 अंक तक चढ़कर 77,420.04 के स्तर तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 194.75 अंक यानी 0.81 प्रतिशत बढ़कर 24,092.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा का शेयर करीब सात प्रतिशत तक उछल गया। सन फार्मा द्वारा अमेरिकी कंपनी ऑर्गेनॉन के अधिग्रहण के लिए 11.75 अरब डॉलर के सौदे की घोषणा के बाद इसमें तेज खरीदारी देखी गई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में भी 2.88 प्रतिशत की तेजी आई। साथ ही, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रमुख बढ़त वाले शेयरों में शामिल रहे। दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रेंट और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा, यह तेजी मुख्य रूप से विभिन्न क्षेत्र के दबावग्रस्त शेयरों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज में आए सुधार की उपज रही। साथ ही, वैश्विक अधिग्रहण से जुड़ी खबरों के बाद दवा कंपनियों में तेज खरीदारी देखी गई, जिससे बाजार को अतिरिक्त समर्थन मिला।

कल्याण ज्वैलर्स ने बारुईपुर में खोला नया शोरूम

बारुईपुर : देश की अग्रणी आभूषण कंपनी कल्याण ज्वैलर्स ने कोलकाता के बारुईपुर में अपना नया भव्य शोरूम शुरू किया है। 15 अप्रैल को खुले इस स्टोर के साथ कंपनी ने कोलकाता क्षेत्र में अपने रिटेल विस्तार को नई गति दी है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरमन ने कहा कि नए शोरूम का उद्देश्य ग्राहकों को विश्वस्तरीय खरीदारी अनुभव, पारदर्शी सेवा और विविध आभूषण विकल्प उपलब्ध कराना है। यहां सोने, हीरे, शादी, पारंपरिक तथा आधुनिक डिजाइनों के आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला मिलेगी। उद्घाटन के मौके पर कंपनी ने मेकिंग चार्ज पर 50 प्रतिशत तक छूट की घोषणा की है। सीमित अवधि के लिए विशेष गोल्ड बोर्ड रेट भी लागू रहेगा। शोरूम में बिकने वाले सभी आभूषण बीआईएस हॉलमार्क प्रमाणित हैं। ग्राहकों को 4-लेवल एश्योरेंस सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा, जिसमें शुद्धता, मेंटेनेंस और एक्सचेंज सुविधा शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया का सूपड़ा साफ करके भारत थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में

होर्सेंस (डेनमार्क) : भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी। चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। यूएस ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया। इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई।

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप: ग्रुप में दबदबा बनाने के लक्ष्य के साथ उतरेगी भारतीय टीम

लंदन : भारत की पुरुष और महिला टीम मंगलवार से यहां शुरू हो रही 2026 विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उम्मीद और दबाव के जाने-पहचाने मेल के साथ उतरेंगी। मानव ठक्कर (विश्व रैंकिंग 38), जी साथियान (42), मानुष शाह (51), हरमीत देसाई (80) और पायस जैन (127) की मौजूदगी वाली भारतीय पुरुष टीम ग्रुप सात में स्लोवाकिया, ट्यूनीशिया और ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेगी। कागज पर रैंकिंग भारत के पक्ष में दिखती है, विशेषकर लुबोमीर पिस्टेज (149) और यांग वांग (184) की अगुवाई वाली स्लोवाकिया की टीम के खिलाफ। फिर भी अब संन्यास ले चुके शरत कमल के अनुभव की कमी करीबी मुकाबलों में खल सकती है। महिला टीम ग्रुप छह में यूक्रेन, युगांडा और रवांडा के साथ है। मनिका बत्रा (49) की अगुवाई वाली भारतीय टीम में यशस्विनी घोरपड़े (88), दीया चितले (92), सुतीर्था मुखर्जी (120) और सिंड्रेला दास (175) भी शामिल हैं। सिंड्रेला 16 साल की उम्र में इस चैंपियनशिप में खेलने वाली देश की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

हेजलवुड और भुवनेश्वर के दम पर आरसीबी ने कैपिटल्स को नौ विकेट से रौंदा

नई दिल्ली : जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार की घातक गेंदबाजी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोमवार को आईपीएल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को नौ विकेट से रौंद दिया। आरसीबी ने यह लक्ष्य 81 गेंद शेष रहते हासिल कर एकतरफा जीत दर्ज की।पहले गेंदबाजी करते हुए आरसीबी ने दिल्ली को 16.3 ओवर में मात्र 75 रन पर समेट दिया। हेजलवुड ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने तीन ओवर में सिर्फ पांच रन देकर तीन बल्लेबाजों को आउट किया। सुयश शर्मा ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सात रन देकर एक विकेट लिया।दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने शुरुआती तीन ओवर में ही छह विकेट गंवा दिए। पावरप्ले के बाद उसका स्कोर छह विकेट पर 13 रन था, जो आईपीएल इतिहास का सबसे कम पावरप्ले स्कोर बन गया। अभिषेक पोरेल ने सर्वाधिक 30 रन बनाए, जबकि डेविड मिलर ने 19 और काइल जैमीसन ने 12 रन जोड़े।76 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। जैकब बेथेल ने 20 रन बनाए, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 13 गेंदों पर नाबाद 34 रन ठोके। विराट कोहली ने 15 गेंदों पर नाबाद 23 रन बनाए और इस दौरान आईपीएल में अपने 9000 रन भी पूरे किए।आरसीबी ने 6.3 ओवर में एक विकेट पर 77 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

चोटिल सेंटनर की जगह केशव महाराज मुंबई इंडियन्स की टीम में

मुंबई : दक्षिण अफ्रीका के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर केशव महाराज को सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी मुकाबलों के लिए मुंबई इंडियन्स की टीम में न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर के विकल्प के तौर पर शामिल किया गया। सेंटनर कंधे की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्हें यह चोट यहां वानखेड़े स्टेडियम में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ टीम के पिछले मैच के दौरान लगी थी।

Change of Name

I, **Veera Kumar D**, S/o Durai Chamy, R/o East Street, Kari Salpatti, Andipatti, Theni, Tamil Nadu do hereby solemnly affirm that my son is known everywhere as **'Dhruva V'. 'Dhruva V' & 'V Dhruva'** is same person i.e. my son & i swear to rectify the same in my Service Book/ Family Details my son's name as 'Dhruva V' vide 1st Class Judicial Magistrate, Alipore **affidavit no 33573, dated 08.04.2026.**

वोलवार्ट के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को हराया, श्रृंखला 4-1 से जीती

बेनोनी : कप्तान लॉरा वोलवार्ट की शानदार नाबाद पारी और गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को पांचवें व अंतिम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को 23 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 4-1 से अपने नाम कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 155 रन बनाए। कप्तान वोलवार्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 92 रन बनाए। उन्होंने 56 गेंदों की पारी में 11 चौके और दो छक्के लगाए। शुरुआती चार मैचों में भी शानदार प्रदर्शन करने वाली वोलवार्ट ने एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा।भारत की ओर से श्री चरणी, दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह ने दो-दो विकेट लिए। श्री चरणी ने बीच के ओवरों में सुने लुस और तेजमिन ब्रिट्स को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की रनगति पर अंकुश लगाया। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। भारत की शुरुआत खराब रही और चौथे ओवर तक शेफाली वर्मा तथा जेमिमा रोड्रिग्स पवेलियन लौट गईं। भारती फुलमाली ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 22 और ऋचा घोष ने नाबाद 25 रन जोड़े। हालांकि इन पारियों के बावजूद भारतीय टीम कभी लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी।दक्षिण अफ्रीका की ओर से नोनकुलुलेको मलाबा और नेदिन डि क्लर्क ने दो-दो विकेट लिए। एलिज मारी मार्क्स, क्लो ट्रायोन और अयाबोंगा खाका को एक-एक सफलता मिली।

चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप से बाहर हो सकती हैं मीराबाई चानू

नयी दिल्ली : भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की चोट लग गई थी। यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं।'

वर्ष 11, पूर्णांक 3576 अंक 042 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in